छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26
वर्ष - 17 ■ अंक - 10 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 27 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये
WWW.cgfrontline.com

कर्मचारियों के लिए मेडिकल कैशलेस की घोषणा जल्द, मंत्रियों ने दिया आश्वासन

संघ के संस्थापक सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री से की मुलाकात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल कैशलेस कर्मचारी कल्याण संघ के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष उषा चंद्राकर एवं संरक्षक राकेश सिंह, कोषाध्यक्ष विजय कोचंद्र की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल से मिलकर उन्हें आगामी कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दिया, और जल्द से जल्द मेडिकल कैशलेस लागू करने का आग्रह किया।

इस दौरान छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी कर्मचारी एवं उनके परिवार के लिए छत्तीसगढ़ शासन की ओर से बहुत जल्द उपहार स्वरूप मेडिकल कैशलेस देने की प्रक्रिया की जा रही है। छत्तीसगढ़ के समस्त कर्मचारी एवं उनके परिवार हमारे प्रथम प्राथमिकता हैं, आप सभी निश्चिंत रहें, बहुत ही जल्द अन्य राज्यों की तरह बेहतर मेडिकल कैशलेस की सुविधा मिलेगी। संगठन के संस्थापक सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से भी मुलाकात करके मेडिकल कैशलेस लागू करने की गुहार लगाई और बताया कि कर्मचारियों के इलाज हेतु या उनके परिवार के सदस्यों के इलाज हेतु कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां बन जाती है कि कर्मचारियों को अपनी जमा पूंजी, बच्चों की पढ़ाई या शादी के लिए जोड़ी गई राशि को खर्च कर देना पड़ता है। कभी-कभी तो कर्मचारियों के साथ यह स्थिति बन जाती है कि उन्हें साहूकार से कर्ज लेना पड़ता है। शासन के द्वारा मेडिकल रीइंबर्समेंट की जो व्यवस्था की गई है, उसमें भी कर्मचारी को 7 प्रतिशत से ज्यादा राशि प्राप्त नहीं होती है। बड़े अस्पताल में इलाज कराने की स्थिति में यह राशि प्राप्त ही नहीं होती है, जिस कारण कर्मचारी मानसिक रूप से बहुत परेशान हो जाते हैं। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द छत्तीसगढ़ शासन छत्तीसगढ़ के समस्त कर्मचारी एवं उनके परिवार को मेडिकल कैशलेस कर्मचारी कल्याण संघ के नेतृत्व में यह सुविधा लागू करेगी। तीसरी मुलाकात के दौर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के गैर मौजूदगी के कारण उनके सहायक को ज्ञापन सौंपा गया। मुलाकात के दौरान संगठन के संस्थापक सदस्य विजय को चंद्र के साथ संभागीय प्रभारी समीर टंडन और कृषिकांत धृतलहरे उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव को मातृत्व शोक

रायपुर में उपचार के दौरान स्वर्णलता सिंहदेव का हुआ निधन

सीएम, क्षेत्रीय संगठन मंत्री जामवाल समेत अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव की माता श्रीमती स्वर्णलता सिंहदेव का निधन हो गया, वे 75 वर्ष की थीं और लम्बे समय से बीमार चल रही थी। स्व. स्वर्णलता सिंहदेव का उपचार रायपुर के एम्स हॉस्पिटल में चल रहा था, 26 दिसम्बर को वे अस्पताल में अंतिम सांसें ली। उनका जन्म 2 दिसंबर 1950 को राज परिवार में हुआ था। वे गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव व अमिताभ

सिंहदेव की माता एवं शंकरगढ़ राजपरिवार के स्व. लाल अरुण प्रताप सिंहदेव की धर्मपत्नी थीं। स्व. स्वर्णलता सिंहदेव चंद्रपुर राजपरिवार के स्व. राजा पूर्व विधायक शशि भूषण सिंहदेव व स्व. रानी पूर्व विधायक ज्योत्सना सिंहदेव की पुत्री थीं, उनके निधन से सरगुजा भाजपा के साथ ही बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। शुक्रवार को देर शाम रायपुर से उनका पार्थिव शरीर सरगुजा लाया गया। 27 जनवरी को स्थानीय शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में सुबह 11 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान एमजी रोड पंजाब गार्डन के सामने से निकलेगी। श्रीमती स्वर्णलता सिंहदेव के निधन उपरान्त प्रदेशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, डिप्टी सीएम अरुण साव सहित अन्य नेताओं ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बस स्टैंड में शराब दुकान के पास ग्राहकों से मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गंगापुर से हटाकर शहर के बस स्टैंड परिसर के पास खोले गए शासकीय शराब दुकान के पास सोमवार को देर शाम मारपीट होने का मामला सामने आया है। शराब खरीदने के दौरान बनी विवाद की स्थिति के बाद पास ही बिरयानी व चखना सेंटर का संचालन करने वालों ने ग्राहकों के साथ मारपीट शुरू कर दी, जिससे माहौल और गरमा गया। मौके पर भाग-दौड़ की स्थिति बन गई। घटना का वीडियो किसी ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि गंगापुर से हटाकर अंबिकापुर बस स्टैंड परिसर में खोली गई शराब दुकान के पास, कैंपस में बिना किसी अनुमति के अवैध चखना की दुकानें खुल गई हैं, जिससे आए दिन विवाद की स्थिति बन रही है। चखना दुकान के संचालकों की दबंगई कुछ

ऐसी है कि वे शराब दुकान में आने वाले ग्राहकों से उल्झने में पीछे नहीं रहते हैं। सूत्रों का कहना है कि इसकी सूचना बस स्टैंड में स्थित चौकी और कोतवाली थाने में दी गई थी, हालांकि तब तक सभी इधर-उधर हो लिए थे। फिलहाल सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला सुर्खियों में है।

धान खरीदी केंद्र के प्रबंधक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी की

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केरजू में स्थित धान खरीदी केन्द्र के समिति प्रबंधक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगा लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले में मर्ग कायम करके पुलिस अग्रिम जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सीतापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केरजू स्थित धान खरीदी केंद्र में प्रबंधक के पद पर पदस्थ दिनेश गुप्ता, 25 दिसम्बर की

शाम को समिति से आने के बाद काफी परेशान थे और रात में पुनः समिति चले गए थे। यहां से देर रात एक बजे वापस घर लौटे और कुछ देर बाद ही फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिए। सुबह उनकी मां ने अपने बेटे को कमरे में फांसी पर लटकते देखा, तो उनके होश उड़ गए। मां के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, इसके बाद घर में कोहराम की स्थिति बन गई। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मर्ग कायम करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया जा रहा है केरजू धान खरीदी केन्द्र में धान के शार्टेज का कुछ मामला था, जिसे लेकर दिनेश गुप्ता पर रिकव्हरी की कार्रवाई होने वाली थी। कयास लगाया जा रहा है कि संभवतः इसी कारण दिनेश गुप्ता तनाव में थे, और उन्होंने खुदकुशी जैसा कदम उठाया। हालांकि खुदकुशी का वास्तविक कारण अपुष्ट है। फिलहाल पुलिस स्वजन का बयान दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

टोकन की चिंता न करें, पारदर्शिता के साथ होगी प्रत्येक पंजीकृत किसान की धान खरीदी : कलेक्टर

★ धान उपार्जन प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए कलेक्टर एवं एसपी का संयुक्त निरीक्षण
★ अंतर्राज्यीय सीमाओं पर अवैध धान परिवहन पर सतत निगरानी के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया को पारदर्शी और अवैध धान की रोक के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शासन की मंशा के अनुरूप कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर रमनलाल स्वयं मैदानी स्तर पर निरंतर औचक निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि उपार्जन प्रक्रिया के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इसी कड़ी में उन्होंने जिले की सीमा पर स्थित अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट रामानुजगंज एवं अनिरुद्धपुर का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों और निगरानी तंत्र का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर ने चेक पोस्ट पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र का जायजा लिया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, वाहनों के आवागमन पंजी और तैनात कर्मचारियों की ड्यूटी चार्ट का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री कटारा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अंतर्राज्यीय सीमाओं से आने वाले प्रत्येक मालवाहक वाहन की सघन जाँच सुनिश्चित करे। उन्होंने अवैध धान खपाने की मंशा रखने वाले कोचियों और बिचौलियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने चेक पोस्ट पर तैनात पुलिस बल से चर्चा कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने जवानों को निर्देशित करते हुए कहा कि अंतर्राज्यीय सीमाओं से आने वाले प्रत्येक वाहन की बारीकी से जाँच अनिवार्य है। श्री बैंकर ने ड्यूटी पर तैनात जवानों को पूर्ण मुस्तैदी के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने और कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

सीमावर्ती क्षेत्रों के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने धान उपार्जन केंद्र रामचंद्रपुर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। कलेक्टर श्री कटारा ने स्वयं धान की ढेरियों के पास जाकर नमी मापक यंत्र से गुणवत्ता की जाँच करवाई और इलेक्ट्रॉनिक कांटों के सत्यापन की जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्देश दिए कि मानक स्तर की नमी वाले धान की खरीदी में कोई विलंब न हो और तौल प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। धान के उठाव की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि खरीदे गए धान का उठाव समय पर सुनिश्चित करें ताकि केंद्र में पर्याप्त जगह बनी रहे और सुरक्षा हेतु तिरपाल की समुचित व्यवस्था रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वहां उपस्थित किसानों से आत्मीय चर्चा की और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। किसानों द्वारा टोकन की संख्या बढ़ाने की मांग पर उन्होंने आश्वस्त किया कि शासन हर पंजीकृत किसान की वास्तविक उपज का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि टोकन की सीमा पहले ही बढ़ाई जा चुकी है ताकि किसी भी किसान को परेशानी न हो। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी उपज बेचने के बाद स्वेच्छा से रकबा समर्पण करें और सावधानी बरतें कि उनके खाते का दुरुपयोग बिचौलियों द्वारा न किया जाए, अन्यथा संलिप्त पाए जाने पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने जिले के सजग नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि शासन की इस धान खरीदी में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जनता का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी नागरिक को अवैध धान के भंडारण, बिचौलियों की सक्रियता या अवैध परिवहन की जानकारी प्राप्त होती है, तो वे तत्काल इसकी सूचना दे। प्रशासन द्वारा सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

अब तक 12 हजार क्विंटल से अधिक अवैध धान एवं 67 वाहन जब्त

गौरतलब है कि प्रशासन की सतत निगरानी से अवैध धान में अब तक 107 प्रकरण दर्ज किए हैं, जिसके तहत 12,407.42 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। साथ ही 57 चार पहिया वाहन और 10 दोपहिया वाहनों को भी जब्त कर कार्यवाही की गई है। और आगे भी संयुक्त टीम द्वारा जिले में अवैध धान खपाने की मंशा रखने वाले कोचियों और बिचौलियों पर कार्यवाही जारी रहेगी।

वीर बाल दिवस मंत्री ने गुरुद्वारा पहुंच टेका मत्था

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वीर बाल दिवस के अवसर पर महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शुक्रवार को गुरुद्वारा पहुंचकर वीर बाल दिवस के अवसर पर दशम पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के अद्वितीय शौर्य, अटूट साहस एवं सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने साहिबजादों के बलिदान का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों, धर्म, साहस एवं सत्य के मार्ग पर चलने की बात कही। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, अजय गोयल, शशिकांत गर्ग, संत सिंह, ललित गोयल, राजेश यादव, दीपेंद्र सिंह चौहान, अशोक अग्रवाल शोक्की, रितेश जायसवाल, रामानंद जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े व कैलाश सिदार, सतीश तिवारी, कृष्णा गोयल, मनी बग्गा व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान साहिबजादों के जीवन, त्याग एवं बलिदान पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनों ने समाज में धर्म, मानवता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

सुशासन, राष्ट्रहित और संवेदनशील नेतृत्व के प्रतीक थे अटल जी : भूलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर नगरपालिका द्वारा निर्मित अटल परिसर में विधायक भूलन सिंह के मुख्य आतिथ्य में सुशासन दिवस के रूप मे मनाया गया। जिसमें निकाय के संबंधित संपूर्ण योजनाओं का कैंप भी लगाया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमनगर विधानसभा के विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति में सुशासन, राष्ट्रहित और संवेदनशील नेतृत्व के प्रतीक थे। उन्होंने सिद्ध किया कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम है। सुशासन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि शासन तभी सार्थक है जब वह पारदर्शी, जवाबदेह और आमजन के कल्याण के लिए समर्पित हो, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अटल जी की विचारधारा पर चलते हुए पारदर्शी, संवेदनशील और जनहितकारी सुशासन को और अधिक सशक्त बना रही है। महिला, बच्चों, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए संचालित योजनाएं अटल जी के विचारों को धरातल पर उतारने का प्रयास हैं।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना व पी एम स्व निधि के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर भाजपा ज़िलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, रेड क्रास सोसायटी के चेयरमैन बाबुलाल अग्रवाल, शशिकांत गर्ग संत सिंह संदीप अग्रवाल राजेश्वर तिवारी किरण खेस प्रमोद तायल संजू सोनी अजय सिंह सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।स्वागत उद्बोधन नपा उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल,कार्यक्रम का संचालन पार्षद मुकेश गर्ग व आभार प्रदर्शन सी एम ओ प्रभाकर शुक्ला के द्वारा किया।

वीएम कार्नीवाल एसएनए इवेंट सेलीब्रेशन का हुआ आयोजन

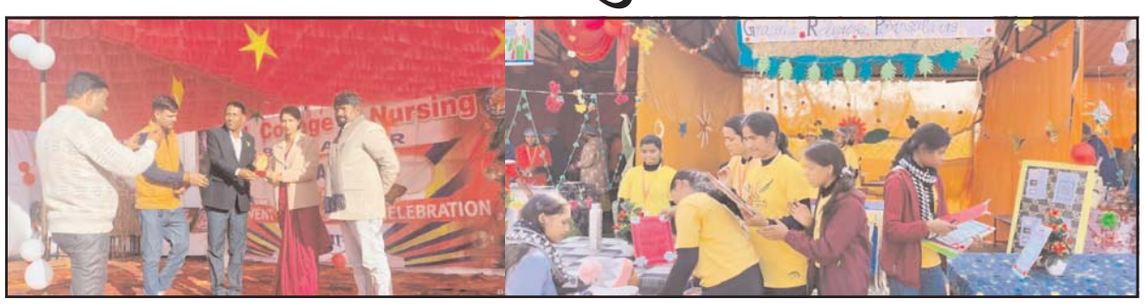

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग परिसर में वीएम कार्नीवाल एसएनए इवेंट महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस इवेंट के तहत सारे विद्यार्थियों को चार ग्रुप में बांटा गया था, जिसमें कालीस्टा रॉय ग्रुप, रोजर्स ग्रुप, फ्लोरेंस ग्रुप एवं आरेम्स ग्रुप सम्मिलित थे। वीएम कार्नीवाल एसएनए इवेंट के तहत प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और चारों ग्रुप द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। दूसरे दिवस कालीस्टा रॉय ग्रुप, रोजर्स ग्रुप, फ्लोरेंस ग्रुप एवं आरेम्स ग्रुप का आपस में खो-खो एवं कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रथम दो विजयी ग्रुप का आपस में पुन मैच करवाते हुए विनर घोषित किया गया। तीसरे दिवस टूगवार रिले रेस एवं जलेबी रेस का आयोजन उक्त चारों ग्रुप के मध्य किया गया। चौथे दिवस चारों ओर ग्रुप के मध्य आउट डोर के तहत जेवलीन थ्रो एवं डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता आयोजित की गई और समसामायिक विषयों पर डिबेट भी किया गया। अगले दिवस परिसर में ही चारों ग्रुप द्वारा विभिन्न खाद्य सामग्रियों का स्टॉल लगाया गया और चारों ग्रुप के मध्य क्वीज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंत में छात्र छात्राओं द्वारा एक-दूसरे को क्रिसमस गिफ्ट देकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर गोपाल सिंह विद्रोही, पप्पू मिश्रा, सुनील नारायण अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कॉलेज के संचालक विजयराज अग्रवाल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभारी प्राचार्य संतोष सिंह एवं स्टाफ सक्रिय रहे।

संकुल कन्या बिश्रामपुर के सभी विद्यालयों में मना वीर बाल दिवस

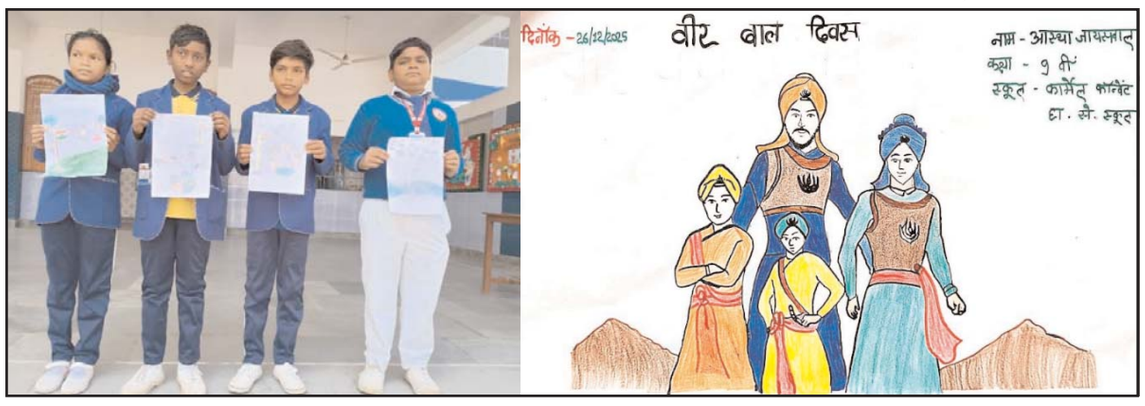

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी संकुल कन्या विश्रामपुर के सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में मनाया गया।शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला बालक शिवनंदनपुर, प्राथमिक और माध्यमिक शाला स्टेशनपारा कुंजनगर, प्राथमिक शाला चोपड़ा विश्रामपुर, प्राथमिक शाला झारपारा कुंजनगर एवं अशासकीय विद्यालय अंतर्गत डीएवी पब्लिक स्कूल विश्रामपुर, कार्मेल कान्वेंट स्कूल अंग्रेजी और हिंदी माध्यम, राजकुमार पब्लिक स्कूल में वीर बाल दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वीर साहिबजादों के बलिदान, साहस एवं धर्मनिष्ठा से परिचित कराना तथा उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। संकुल के वरिष्ठ व्याख्याता अमर कुमार जैन ने गुरु गोबिंद सिंह के वीर साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका साहस और सत्य के प्रति अटूट विश्वास आज भी हम सभी लिए प्रेरणा स्रोत हैं।इस अवसर पर सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए भाषण, कविता पाठ, नाटक एवं चित्रकला और छोटे-छोटे बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा यह संकल्प लिया गया कि हम सभी सत्य, साहस और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर चलकर देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे। कार्यक्रम का संचालन संकुल समन्वयक गौरी शंकर पांडेय ने किया।

कॉलोनियों में बिजली संकट पर एटक ने प्रबंधन को दिया ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की आवासीय कालोनियों में रहवासियों को इन दिनों विद्युत संकट से जूझना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड के बीच बार-बार और लंबे समय तक हो रही बिजली कटौती ने कोयला कर्मियों, उनके परिवारों और विद्यार्थियों की रोजमर्रा की जिंदगी को अंधेरे में धकेल दिया है। हालात ऐसे बन गए हैं कि रात होते ही कॉलोनियों में भय और असुविधा का माहौल बन जाता है। इस समस्या को लेकर संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक के क्षेत्रीय सचिव पंकज गर्ग ने प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर न केवल स्थिति से अवगत कराया है, बल्कि स्थायी समाधान की ठोस मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बिजली कटौती के कारण सुबह ड्यूटी पर जाने से लेकर रात में विश्राम तक हर काम प्रभावित हो रहा है। ठंड के मौसम में हीटर, गीजर और

अन्य आवश्यक विद्युत उपकरण बंद पड़े रहते हैं। बच्चों की पढ़ाई पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। परीक्षा के समय अंधेरे में पढ़ने को मजबूर छात्र मानसिक तनाव झेल रहे हैं।

एटक के क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग ने बताया कि पूर्व वर्षों में भी संघ ने ठंड के मौसम में ओवरलोडिंग से होने वाली बिजली कटौती को लेकर प्रबंधन को चेताया था। उस समय स्पष्ट कहा गया था कि यदि समय रहते तकनीकी सुधार नहीं किए गए, तो भविष्य में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। आज वही चेतावनी सच्चाई बनकर सामने है। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग से बचने के नाम पर की जा रही विद्युत कटौती किसी भी तरह से समाधान नहीं है। यह सिर्फ तात्कालिक राहत है, जिससे समस्या और गंभीर होती जा रही है। उन्होंने मांग की है कि कॉलोनियों में उच्च क्षमता वाले ट्रांसफार्मर, आधुनिक स्विच और अन्य विद्युत उपकरण तत्काल लगाए जाएं, ताकि बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से चल सके। संघ का कहना है कि यदि प्रबंधन ने इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज किया, तो कामगारों में असंतोष और आक्रोश बढ़ना तय है। बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए कर्मचारियों को संघर्ष करना पड़े, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। एटक ने उम्मीद जताई है कि प्रबंधन इस गंभीर विषय को संवेदनशीलता से लेते हुए शीघ्र ठोस कदम उठाएगा, ताकि बिश्रामपुर की कॉलोनियों में रहने वाले हजारों कोयला कर्मियों और उनके परिवारों को अंधेरे, ठंड और परेशानियों से राहत मिल सके।

जनपद पंचायत बगीचा में जिला उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बगीचा। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर जनपद पंचायत बगीचा जिल जशपुर (छ0ग0) में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 एवं ई-जागृति एवं ऑनलाईन प्रकरण प्रस्तुत करना एवं सुनवाई कराये जाने के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जनपद पंचायत बगीचा के सभागृह में आयोजन किया गया। जिसमें बगीचा शहर के सम्मानीय लोग एवं नगर पंचायत बगीचा के अध्यक्ष प्रदीप सिदार तथा जनपद पंचायत के पंचगण भाग लिए। उपभोक्ता जागरूकता शिविर के माध्यम से लगभग 50-60 लोगों को जानकारी दी गई। साथ ही उपभोक्ता संरक्षण कानुन एवं ई-जागृति तथा ई-हियरिंग के प्रचार प्रसार हेतु पम्पलेट के माध्यम से भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन एन.जी.ओ. चंद्रभुषण मिश्रा ने संचालन किया। जिसमें प्रमुख वक्ताओं में नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रभात सिदाम, जिला उपभोक्ता आयोग सरगुजा के सदस्य श्रीमती अर्चना सिन्हा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश पाण्डेय जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग सरगुजा एवं जशपुर के अध्यक्ष के द्वारा किया गया।

बेलसोता नाला पुल पर अनियंत्रित होकर मिक्कर मशीन पलटा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रतिबंध के बाद भी ट्रैक्टर के माध्यम से मिक्कर मशीन को बेलसोता नाला के जर्जर पुल पर पार करने के दौरान मिक्कर मशीन पुल से नीचे गिर गया। हालांकि दुर्घटना में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत राजापुर व कैलाशपुर के मध्य स्थित बेलसोता नाला पुल पिछले दिनों बारिश के दिनों में क्षतिग्रस्त हो गया था। जिस पर प्रशासन द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच उक्त पुल से आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया था। बावजूद इसके स्थानीय लोगों द्वारा उक्त जर्जर पुल से आवागमन कर ही रहे हैं। इसी बीच शुक्रवार को एक ट्रैक्टर चालक अपने वाहन में मिक्कर मशीन को टोचन करके पार कर रहा था। इसी बीच मिक्कर मशीन पुल से नीचे गिर गया है। ज्ञात हो कि स्थानीय लोग आज भी मजबूरन उक्त जर्जर पुल पर आवागमन करने विवश हैं। ज्ञात हो कि उक्त मार्ग से ही जर्जर पुल पर ग्राम पंचायत कैलाशपुर के किसानों द्वारा अपने धान बेचने कंदरई खरीदी केंद्र जाते हैं। बावजूद इसके आमजन की उक्त गंभीर समस्या की ओर ना तो शासन ध्यान दे रही है और ना ही प्रशासन कोई पहल कर रहा है।

केशवपुर में मनाया गया भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेई की जयंती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। भारतीय राजनीति के अजातशत्रु और सुशासन की प्रतिमूर्ति युगपुरुष अद्वितीय राजनेता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेई की जयंती यहां ग्राम केशवपुर में मनाया गया। जहां क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजलाल राजवाड़े, सरपंच रजमनिया सिंह की उपस्थिति में अटल बिहारी वाजपेई के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर द्वीप प्रज्ज्वलित कर तथा जरूरतमंद लोगों को साल श्रीफल एवं कंबल वितरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह मरावी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के राजनैतिक जीवन तथा उनके द्वारा देश के लिए किए गए योगदान को याद करते हुए कहा कि असाधारण व्यक्तित्व के धनी अटल बिहारी वाजपेई लोकतंत्र के सजग प्रहरी थे उन्होंने राजनीति में सुशासन के साथ अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए अपना पूरा जीवन खपा दिया। वे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति न सिर्फ प्रतिबद्ध थे बल्कि उन्होंने देश में सर्व समावेशी राजनीति का श्रेष्ठ प्रतिमान देश के सम्मुख प्रस्तुत किया। उनके

मंत्रीपरिषद में ऐसी विभिन्न राजनैतिक पार्टियां जो एक दूसरे के साथ बैठना भी पसंद नहीं करती थी उन पार्टियों को भी साथ लेकर सभी मतभेदों से उपर उठकर एक सर्व समावेशी प्रशासनिक कार्यक्रम के आधार पर सफलतापूर्वक सरकार का संचालन किया और विकासपरक अनेकों योजनाएं चलाकर देश को अग्रणी राष्ट्र की ओर ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई का संपूर्ण व्यक्तित्व -उनका काव्य, विचार, राष्ट्रभक्ति और राजनीति साहित्य लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट आस्था हमें संवेदनशील सशक्त और समरस भारत निर्माण की प्रेरणा देता रहेगा।

कार्यक्रम को जिला भाजपा उपाध्यक्ष संत सिंह, जिला महामंत्री शशि कांत गर्ग, मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, महामंत्री सौभाग्य दुबे एवं सरपंच रजमनिया सिंह ने भी संबोधित करते हुए अटल बिहारी वाजपेई के प्रति अपना श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के संयोजक ध्यान चंद्र गुप्ता की ओर गरीब जरूरतमंद लोगों को साल श्रीफल एवं कंबल का वितरण अतिथियों के हाथों कराया गया। इस अवसर पर विजय सिंह, जिला मंत्री संदीप अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष हेमंत यादव, मदनपुर सरपंच हींगबली पैकरा, गोकुलपुर सरपंच राजकुमारी पंचम यादव, जुगेश्वर साहू, हीरा सिंह, मंजु सिंह महादेव सिंह, सागर सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व ग्रामवासी उपस्थित थे।

छ.ग. के कांकेर जिले के आमाबेड़ा के बड़े तेवडा के बहाने हिंदूत्व

मनोज कुमार सिंह

अम्बिकापुर। कांकेर जिले के आमाबेड़ा के बड़े तेवडा ग्राम का सरपंच जो परिवार सहित धमार्तंरित हो ईसाई बन चुका था, जबकि उसके पिता हिंदू ही रहे।अपने पिता की मृत्यु के बाद उनके शव को दफना दिया, जिसका गांववासियों ने विरोध किया। जिस पर ईसाई संगठनों ने भीम आर्मी के कार्यकताओं के साथ मिल कर गांवो वालो पर हमला कर दिया। प्रतिहिंसा फलस्वरूप चर्च में आगजनी और तोड़फोड़ की घटना हुई। कांकेर घटना के विरोध में आज पूरा छत्तीसगढ़ बंद का आहवान सर्वहिंदू समाज और विभिन्न हिंदूसंगठनों द्वारा किया गया।प्रस्तावित बंद सफल भी रहा, लेकिन कांकेर की घटना कुछ संवैधानिक व धार्मिक स्वतंत्रता के सरोकारो पर प्रश्न चिन्ह लगाती है तो कुछ को उद्घाटित भी करती है। कांकेर में पांचवी अनुसूचि प्रवृत्त है,जिसके तहत जनजातीय जीवन और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष संवैधानिक उपबंध है।क्या कांकेर में धमार्तंरण पांचवी अनुसूची के उपबंधों की सरासर अवहेलना नहीं है? क्या यह संवैधानिक परिह्वास की स्थिति नहीं है? जहां तक धमार्तंरित सरपंच द्वारा अपने गैर मतांतरित पिता का अंतिम क्रिया ईसाई रिवाज से करना सामाजिक और संवैधानिक रूप से भी असंगत है क्योंकि जो व्यक्ति अपने जीवन के अंतिम समय तक अपने धर्म में रहा उसकी अंतिम क्रिया अन्य धर्म की मान्यताओं के अनुसार कैसे की जा सकती है? दूसरा यह कि क्या इस तरह अनुचित रूप से शव दफनाने से, मनमाने तरीके से कब्रिस्तानो बनने से और अवैध तरीचके से जमीन हथियाने की राष्ट्रविरोधी ताकतो से को बल नहीं मिलेगा? जबकि ऐसे हजारो उदाहरण है और प्रायः हर दिन प्रगट भी होते है। अंबिकापुर में बंद के दौरान और धरना प्रर्दशन के दौरान जो अंतराल दिखा वह ,तथाकथित हिंदूवादी संगठनों को उसकी पतवार समझे जाने वाले लोगो की वस्तुस्थिति को स्पस्ष्ट करता है।जिस पर आगे चर्चा करेगे। संविधान का अनुच्छेद 25(ए) प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छानुरूप पूजा पद्धति और किसी भी धर्म पालन की स्वतंत्रता प्रदान करता है।

वीर बाल दिवस पर जिले के विद्यालयों मे किये गए विविध कार्यक्रम आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को जिले के समस्त विद्यालयो में वीर बाल दिवस के मौके पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए। उक्त आयोजन कलेक्टर एस. जयवर्धन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाटले के निदेर्शानुसार जिला शिक्षा अधिकारी, अजय कुमार मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक, मनोज कुमार साहू के मार्गदर्शन में किया गत। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का लाईव प्रसारण एवं भाषण प्रतियोगिता, चित्रकारी, निबंध लेखन एवं कहानी सुनाना इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन जिले के समस्त विद्यालयों में किया गया। वीर बाल दिवसह्ह का आयोजन सिख धर्म के दसवें गुरू, गुरू गोविन्द सिंह के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाचा फतेह सिंह जिनकी उम्र मात्र 09 और 06 वर्ष थी, के अतुलनीय बलिदान शहादत के सम्मान में मनाया जाता है।जिला स्तर के कार्यक्रम में सहायक संचालक, शिक्षा रविन्द्र सिंहदेव, वीर बाल दिवस के जिला नोडल सुरविन्द कुमार गुर्जर, विकासखण्ड स्त्रौत्त समन्वयक, मनोज कुमार मण्डल, सेजेस के प्राचार्य मनोज कुमार झा. विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाए तथा छात्र, छात्राओं के उपस्थिति में यहां के सेजेस नवापारा में वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उदबोधन का लाईव प्रसारण एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन गरिमापूर्ण संपन्न हुआ।

धूमधाम से मनाया गया मालवीय जी का जन्मदिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर।महामना मालवीय मिशन सरगुजा के द्वारा भारतरत्न पं. मदनमोहन मालवीय जी का जन्मदिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विविध कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।नगरनिगम मालवीय पार्क में स्थित मालवीय जी के प्रतिमा पर शहर के प्रबुद्ध नागरिक एवं विद्वतजनों के द्वारा माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात गांधी स्टेडियम में नवनिर्मित मालवीय भवन में विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें नगर के प्रतिष्ठित विद्वतजनों ने व्याख्यान दिया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईपीएस राहुल बंसल नगर पुलिस अधीक्षक ने महामना मालवीयजी पर केंद्रित आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि मालवीय जी का

जीवन दर्शन भारतीय मूल्यों का परिचायक है। उनके दिनचर्या का सिर्फ अध्ययन किया जाए तो उसमें दार्शनिक भाव का बोध होता है।वे कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ ही कुशल बैरिस्टर,समाजसेवी, शिक्षाविद्,साहित्यकार एवं समाज सुधारक थे। मालवीय मिशन के संरक्षक हरिशंकर त्रिपाठी ने कहा की मालवीय जी का जीवनदर्शन आज भी प्रासंगिक है। उनके कार्य और विचारों को सम्पूर्ण विश्व मानता है।लायन डॉ.जी.डी.सिंह ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में महामना की उपाधि प्राप्त करने वाले एक मात्र महापुरूष पं. मदनमोहन मालवीयजी हैं। मिशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. डी.एन. द्विवेदी ने कहा की कर्मयोग का सच्चा और सही उदाहरण देखना हो तो मालवीय जी का जीवन दर्शन पढें।ऐसे महापुरुष का अवतरण धरती पर कभी कभी होता है। डॉ एस.के. श्रीवास्तव ने कहा कि समाजसेवा से लेकर राजनीति तक का सफर मालवीय ने किया किन्तु कभी पद और वैभव की लालसा नहीं की। गीता उनका प्रिय ग्रंथ रहा। सादा जीवन उच्च विचार का आदर्श मालवीय जी के जीवन में स्पष्ट झलकता है। डॉ.वी.के. सिंह ने कहा की मालवीय जी का स्वभाव अत्यंत सरल था ।साधारण से साधारण व्यक्ति उनसे मिल कर बातें कर लेता था।प्रोफेसर डॉ. एस. के.पान्डेय ने महामना को कुशल अधिवक्ता के रूप में रेखांकित किया। मिशन के सेक्रेटरी जनरल एवं पेंशनर्स समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय प्रकाश पाण्डेय ने मालवीय जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मालवीय जी का आदर्श हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। पण्डित रामनारायण शर्मा ने भी सारगर्भित विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की होनहार पूर्व छात्रा कुमारी रौशनी केरकेट्टा को शाल श्रीफल एवं प्रोत्साहन राशि भेंट कर तथा उनकी माता श्रीमती सोनामनी केरकेट्टा को बेस्ट पेरेंटिंग के लिए सम्मानित किया गया। रौशनी केरकेट्टा ने कहा कि आज का दिन मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी का स्थान एशिया महाद्वीप में प्रथम स्थान पर है। ऐसे संस्थान में एडमिशन करवाना हमारे लिए असंभव था मगर बड़े बुजुर्गो का मार्गदर्शन और आशीर्वाद से मैं वहां तक पहुंची। नगर के एसपी साहब ने भी उसी विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है, यह जानकर मुझे गर्व हुआ।

लिनेस मल्टिपल का कांफ्रेंस भव्यता के साथ संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। ऑल इंडिया लिनेस क्लब्स मल्टीपल सरगम का कॉन्फ्रेंस एवम अवॉर्ड सेरेमनी संजोग फार्म्स अंबिकापुर में भव्यता के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम में राजस्थान , मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की हजारों की संख्या में लिनेस बहनों ने बढ़चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टि.एस. सिंह देव पूर्व उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं अध्यक्षता मल्टीपल प्रेसिडेंट लिनेस सुमन सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ जी.डी.सिंह पास्ट गवर्नर लायंस क्लब्स इंटरनेशनल, स्पेशल गेस्ट अंजना जैन जयपुर, मृदुला रोजिन्दार, रत्ना ओस्तवाल, अंजना सिंघल गुना, रचना गुप्ता

इंदौर, माला पॉल सेक्रेटरी, शबाना नाज, सेक्रेटरी उषा अरोरा साधना भंडारी इंदौर उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा दिपप्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई और राष्ट्रीय ध्वज स्थापना किया गया। प्रेसिडेंट सुमन सिंह ने मल्टीपल में संपन्न गतिविधियों की जानकारी सदन के सामने प्रस्तुत की।उन्होंने कहा कि लिनेस बहनों द्वारा लगभग सभी क्षेत्रों में बढ़ चढ़कर सेवा गतिविधियां संपन्न की है जिसमें कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा हैं।जिसमें खासकर 146 निर्धन कन्याओं का विवाह, गौशालाओं का संचालन, 1226 यूनिट ब्लड डोनेशन, 1148 डायलिसिस के लिए आर्थिक मदद मूकबधिर विद्यालय में पलंग एवं गद्दोका वितरण जयपुर हेंडीकेफ्ट शिविरो का आयोजन आदि प्रमुख है सुमन सिंह ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि समस्त बहनों ने बहुत जोश खरोश के साथ सेवाभावी कार्य किए हैं और सभी बधाई की पात्र हैं और यही जज्बा ओर जोश निरंतर बनाए रखने की अपील की। अपने उद्बोधन में सर्वश्रेष्ठ गतिविधियां संपन्न करने वाली विभिन्न क्षेत्रों की लिनेस सदस्यों को एवं पदाधिकारी को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी एस सिंह देव ने अपने उद्बोधन में कहा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से लीडरशिप का निर्माण होता है और मैं भी राजनीति से पूर्व सामाजिक संस्था से जुड़ा हुआ था।उन्होंने मल्टीपल प्रेसिडेंट लिनेस सुमन सिंह के लीडर शिप की सराहना की। कार्यक्रम को लायन डॉ जी डी सिंह पास्ट गवर्नर ?र समस्त अतिथियों ने भी संबोधित किया। सभी अतिथियों को शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन अनिता कपूर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट द्वारा किया गया । इस अवसर पर अनिल सिंह, लायन डॉ यशवर्द्धन सिंह, अनिमेष सिंह, लायन पी.के. गोयल, लायन अनिल शुक्ला, लायन अनुजप्रसाद सिंह, के.के.सिंघल, त्रिलोचन सिंह बाबरा, नरेश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, बिजेन्द्र पाठक, डॉ मनीष गुप्ता, मलेंद्र सिंह बाबरा, आदि गणमान्य जन उपस्थित थे। रात्रि में हर प्रदेश की लिनेस सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रस्तुत किया गया ।

जिला साहू संघ के संगठन में सर्व सम्मति से चुने गए सभी पदाधिकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर।जिला साहू संघ सूरजपुर के संगठनात्मक चुनाव में सर्व सम्मति से जिलाध्यक्ष रामलल्लू साहू, उपाध्यक्ष रामकृपाल साहू अधिवक्ता, श्रीमती देवमुनिया साहू, संगठन सचिव रामप्राण साहू, श्रीमती राजकुमारी साहू निर्वाचित हुए।इन कार्यक्रमों के मध्य बैठक में उपस्थित सैकड़ों प्रबुद्धजनों का मंतव्य समाज के प्रति और समाज का स्वरूप कैसा हो विषय पर चुनाव समिति सदस्यों के द्वारा उद्बोधन के माध्यम से जानना चाहा, उद्बोधन के इस क्रम में डॉक्टर मोहन लाल साहू ने सूरजपुर साहू समाज की तुलना

रायपुर जैसे आस पास के शहरों से करते हुए कहा कि बड़े शहरों में समाज के लोग काफी अग्रणी हैं, हर क्षेत्र में साहू समाज का प्रभाव देखने को मिलता है। निर्विरोध निर्वाचन समाज की अच्छी परम्परा रही है।इसलिए समाज का संगठन आम सहमति से होना उचित है। डीएमसी मनोज कुमार साहू कौशलपुर ने कहा कि हमारे निचले इकाइयों के चुनाव मतदान से होते रहे हैं इसलिए मेरा मानना है कि मतदान भी संगठन का स्वस्थ्य परम्परा है इसलिए अभ्यर्थी ना माने तो दो दिन बाद मतदान हो जाय इसमें क्या बुराई है। पूर्व जनपद उपाध्यक्ष रामनिवास साहू रामानुजनगर ने अपने संबोधन में कई समाजों का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रायः सभी समाजों में संगठनात्मक चुनाव आम सहमति से होते हैं। इसलिए हमारे समाज में भी मतदान से जिला पदाधिकारी ना चुने जाएं। इससे समाज में बिखराव पैदा होता है।

किसान बंटेश्वर ने धान के पैसे से खरीदा कृषि यंत्र, किसानों को मिल रहा पुरा लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। धान खरीदी व्यवस्था में डिजिटल तकनीक के उपयोग से किसानों को बड़ी राहत मिल रही है। किसान तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से किसान अब घर बैठे टोकन काटकर आसानी से धान का विक्रय कर पा रहे हैं, जिससे समय की बचत के साथ-साथ अनावश्यक परेशानी से भी निजात मिली है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पोड़ीखुर्द के किसान बंटेश्वर, पिता बदरी टेकाम, ने बताया कि उनका कुल 257 क्विंटल धान का रकबा है।उन्होंने पहली बार धान उपार्जन केंद्र से 100 क्विंटल धान का टोकन कटाया था, जबकि दूसरी बार मोबाइल फोन के माध्यम से किसान तुहंर टोकन ऐप का उपयोग

करते हुए 93 क्विंटल 60 किलो धान का टोकन काटा। डिजिटल टोकन व्यवस्था से धान विक्रय की प्रक्रिया बेहद सरल हो गई और टोकन के लिए समिति आना नहीं पड़ा। किसान बंटेश्वर ने बताया कि धान खरीदी केंद्र पहुंचते ही नमी परीक्षण, बारदाना उपलब्धता एवं समयबद्ध खरीदी की सुविधा मिल रही है। पूरी व्यवस्था सुव्यवस्थित है और उन्हें किसी भी प्रकार की किसानों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में किसानों को धान का सर्वाधिक समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है, जिससे किसानों को पहले की तुलना में कहीं अधिक लाभ हो रहा है।पहले कम मूल्य के कारण जो नुकसान होता था, उसकी भरपाई अब बेहतर दाम मिलने से हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त राशि से उन्होंने ट्रैक्टर खरीदा था, जिससे खेती-बाड़ी का कार्य और अधिक सुगम हो गया है। किसान बंटेश्वर ने बताया कि वे मुख्य रूप से खेती-किसानी करते हैं तथा सीजन के अनुसार गेहूं, दाल एवं अन्य फसलों की खेती भी करते हैं। धान उपार्जन केंद्रों में पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध व्यवस्था पर उन्होंने पूरी तरह संतुष्ट जाहिर की। उन्होंने राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में किसानों को बेहतर सुविधाएं और फसल का उचित मूल्य मिल रहा है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया।

अटल जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया अटल परिसर का वर्चुअल लोकार्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। सूरजपुर जिले के भटगांव नगर पंचायत में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर उनके शताब्दी वर्ष का भव्य एवं गरिमामय आयोजन श्रद्धा और सम्मान के साथ किया गया। नगर में पूरे दिन अटल जी के विचारों, आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया। वार्ड क्रमांक 06 स्थित पुष्प वाटिका, नगर पंचायत भटगांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअल माध्यम से अटल परिसर का लोकार्पण किया। अटल परिसर को नगर पंचायत के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात बताते हुए इसे भविष्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का केंद्र बताया गया। महिला एवं

बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया और अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच और मजबूत नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन देशसेवा, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का आदर्श उदाहरण रहा है।इस अवसर पर वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने निर्णयों से देश को नई दिशा दी। उनके नेतृत्व में लिए गए ऐतिहासिक फैसलों ने भारत को मजबूत किया और छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण उनके अमूल्य योगदानों में से एक है। उन्होंने कहा कि अटल परिसर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। वहीं पूर्व भटगांव विधायक रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे।

विशाल हिन्दू सम्मेलन में सामाजिक समरसता का संदेश देने 33 समाज एक मंच पर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। हिन्दू जनजागरण समिति के तत्वावधान में रामानुजनगर में विशाल हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में मंडल रामानुजनगर के अंतर्गत आने वाले 33 समाजों के समाज प्रमुखों एवं उनके प्रतिनिधियों ने एक मंच पर उपस्थित होकर सामाजिक समरसता, एकता और सहयोग का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजकुमार चंद्रा, प्रांत धर्मजागरण प्रमुख रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात कर्मा शैला की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। तत्पश्चात मंचासीन सामाजिक एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया।

सम्पादकीय

हवाई सुरक्षा की ओर देश के मजबूत कदम

भारत ने आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम के एडवांस्ड वर्जन आकाश नेक्स्ट जेनरेशन (आकाश-एनजी) का सफल ट्रायल कर हवाई सुरक्षा की ओर मजबूती से कदम बढ़ा दिए हैं। यह एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से स्वदेशी है। यह एक साथ कई हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने की क्षमता रखता है। इसमें अपने ही देश के आरएफ सीकर, सॉलिड रॉकेट मोटर और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। इससे वायुसेना और थलसेना को और मजबूती मिलेगी। आकाश मिसाइल की जो प्रणाली है वह बहुत हाईटेक है। इसे देश की स्वदेशी एयर डिफेंस ताकत को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। आकाश-एनजी मिसाइल सिस्टम ने हर तरह के हवाई खतरों के खिलाफ अपनी बेहतरीन सटीकता साबित की। यह लंबी दूरी और अधिक ऊंचाई पर मौजूद टारगेट्स को दमदार ढंग से भेदने में सफल रहा। इसमें भविष्य के विकास की संभावनाएं बहुत हैं, जो रक्षा क्षमताओं को और मजबूत बनाएंगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का कहना है कि ट्रायल के दौरान आकाश-एनजी ने अलग-अलग दूरी और ऊंचाई पर मौजूद हवाई लक्ष्यों को सटीकता से नष्ट किया। इसमें सीमा के पास कम ऊंचाई पर उड़ने वाले और लंबी दूरी पर ज्यादा ऊंचाई वाले लक्ष्य भी शामिल थे। आकाश-एनजी मिसाइल सिस्टम फाइटर जेट, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और यूएवी को 80 किमी दूर तक और आकाश में 20 किमी ऊंचाई तक निशाना बना सकता है। इसके पास एक साथ 10 टारगेट को तबाह करने की क्षमता है। भारत की हवाई और जमीनी सुरक्षा को मजबूत करने के नजरिए से विकसित की गई इस मिसाइल की रेंज, स्पीड और रिस्पोंस पॉवर पहले से कहीं ज्यादा है। बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से भारत पर हवाई हमले किए गए थे, इन हमलों को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम की आकाश मिसाइलों ने ही नाकाम किया था। अब यह एयर डिफेंस सिस्टम का यह आधुनिक वर्जन पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है। बता दें कि भारत के पास कई उन्नत डिफेंस सिस्टम हैं जो देश की सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं। इनमें रूस से प्राप्त एस-400 ट्रायम्फ प्रणाली भारत की सबसे शक्तिशाली एयर डिफेंस प्रणालियों में एक है, इसकी रेंज 400 किमी तक है। आकाश मिसाइल सिस्टम एक मध्यम दूरी की, सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जिसकी रेंज 25-30 किमी है। एक और बराक-8 को भारत और इजराइल ने मिलकर विकसित किया है, जिसकी रेंज 70 किमी. तक है। वहीं, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) सिस्टम इसे पृथ्वी एयर डिफेंस (पीएडी) और एडवांस एयर डिफेंस (एएडी) के रूप में जाना जाता है, जो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सक्षम है। स्पाइडर एयर डिफेंस सिस्टम भी एक शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसकी रेंज 15-20 किमी तक है। दूसरी तरफ, कुशा एयर डिफेंस सिस्टम एक स्वदेशी लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जिसकी रेंज 500 किमी से अधिक है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि अब आकाश-एनजी की सफलता से न केवल भारत की रक्षा तैयारियां और मजबूत होंगी, बल्कि स्वदेशी रक्षा अनुसंधान को भी नई दिशा और गति मिलेगी।

जयंती पर विशेष

अशोक बजाज

छत्तीसगढ़ में साकार होती अटल जी की कल्पना

राष्ट्रनायक, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटलबिहारी वाजपेयी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। वे अपनी अनेकानेक खूबियों के कारण देश व दुनिया के सर्वप्रिय एवं सर्वमान्य नेता के रूप में स्थापित हुये। सही मायने में उन्होंने देश के लिए जीवन जिया तथा अपने जीवन का हर पल देश को समर्पित किया। वे बहुत ही ओजस्वी वक्ता थे तथा अपनी भाषण शैली से लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। संसद हो या जनसभा अपने प्रभावशाली भाषण से अमिट छाप छोड़ जाते थे। वे कुशल राजनेता के अलावा विद्वान कवि व साहित्यकार भी थे उनकी कविताओं में राष्ट्रप्रेम, संवेदना और दर्शन की झलक मिलती है। जनभावनाओं को भांपने की उनके पास अद्भुत क्षमता थी। वे जनता के हृदय की धड़कन को बखूबी समझते थे। उनकी कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं होता था, वे जो कहते थे वही करते थे तथा जो करते थे वही कहते थे। उनकी इच्छा शक्ति बड़ी प्रबल थी तथा वादे के पक्के थे। 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना उनकी प्रबल इच्छा शक्ति का ही परिणाम है। उन्होंने 1998 में सप्रेशाला रायपुर के मैदान में जनता के नब्ज को टटोल कर वादा किया था कि यदि आप लोकसभा की 11 में से 11 सीटो में भाजपा को जितायेंगे तो मैं आपको छत्तीसगढ़ राज्य दूंगा। हालांकि चुनाव में भाजपा को 11 में से 8 सीटें ही मिली लेकिन केंद्र में भाजपा की सरकार पुनः बनी तथा अटल जी पुनः प्रधानमंत्री बन गए। प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने अपनी प्रतिज्ञा के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए पहले ही दिन से प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। मध्यप्रदेश राज्य पुर्निर्माण विधेयक 2000 को 25 जुलाई 2000 को लोकसभा में पेश किया गया। इसी दिन दो अन्य राज्यों उत्तराखंड एवं झारखंड राज्य के विधेयक भी पेश हुए। 31 जुलाई 2000 को लोकसभा में और 9 अगस्त को राज्य सभा में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रस्ताव पर मुहर लगी। 25 अगस्त को राष्ट्रपति के हस्ताक्षर हो गए। तत्पश्चात 4 सितंबर 2000 को भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशन के बाद 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ देश के 26 वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। इस प्रकार अटलजी की एक अटल-प्रतिज्ञा पूरी हुई।

वास्तव में राज्य का गठन करना कोई हंसी खेल तो था नहीं। कई वर्षों से लोग आवाज उठा रहे थे। इसके लिए लोग अनेक तरह से आंदोलन भी करते रहे लेकिन राज्य का निर्माण नहीं हो पाया था। यह तो अटलजी की दृढ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि बिना खूनखराबे के राज्य का निर्माण हो गया। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पहले हम मध्यप्रदेश में थे। मध्यप्रदेश का निर्माण सन 1956 में 1 नवम्बर को ही हुआ था। हम 1 नवम्बर 1956 से 31 अक्टूबर 2000 तक यानी 44 वर्षों तक मध्यप्रदेश के निवासी थे तब हमारी राजधानी भोपाल थी। इसके पूर्व वर्तमान छत्तीसगढ़ का हिस्सा सेन्ट्रल प्रोविंस एंड बरार (सी.पी.एंड बरार) में था तब हमारी राजधानी नागपुर हुआ करती थी। इस प्रकार हमें पहले सी.पी.एंड बरार, तत्पश्चात मध्यप्रदेश और अब छत्तीसगढ़ के निवासी होने का गौरव प्राप्त हो रहा है। वर्तमान छत्तीसगढ़ में जिन लोगों का जन्म 1 नवम्बर 1956 को या इससे पूर्व हुआ है वे तीन राज्यों में रहने का सुख प्राप्त कर चुके हैं। परंतु छत्तीसगढ़ राज्य में रहने का अपना अलग ही सुख है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद माननीय अटलबिहारी वाजपेयी जी का सन 2001 में जब पहली बार छत्तीसगढ़ आगमन हुआ तब उनका छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता के रूप में जोशीला स्वागत हुआ था। वे छत्तीसगढ़ के लोगों को किए गये वादे को पूरा करके तथा अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करके आये थे। अतः राज्य की जनता पलक पावड़े बिछाकर उनका इंतजार कर रही थी। उस दिन छत्तीसगढ़-वासियों को उसी प्रकार के आनंद की अनुभूति हो रही थी जिस प्रकार नये राज्य की स्थापना के समय 1 नवम्बर 2000 को हो रही थी। तमाम स्वागत, अभिनंदन, उमंग और उत्साह के बावजूद एक टीस तो उन्हें थी, अपने अंदाज में उन्होंने जनसभा में व्यक्त भी कर दिया। उन्होंने उस समय कहा था कि छत्तीसगढ़ की धरती को प्रकृति की अपार कृपा है, यह धरती जल सम्पदा, वन सम्पदा एवं खनिज सम्पदा से परिपूर्ण है, यहां की जनता मेहनतकश है। परन्तु इस राज्य को विकास के शिखर तक ले जाने के लिए एक प्रामाणिक सरकार की कमी है। अटल जी के इस कथन का प्रभाव यह हुआ कि 2003 में जब नव गठित छत्तीसगढ़ विधानसभा का पहला चुनाव हुआ तो भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला।

डॉ. रमन सिंह प्रथम निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री बने तथा लगातार 15 वर्षों तक भाजपा सरकार का नेतृत्व किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ का तीव्र गति से विकास हुआ। अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवनस्तर को ऊपर उठाने का प्रयास हुआ। छत्तीसगढ़ अकाल व पलायन से मुक्त हुआ। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण मिलने लगा। सरप्लस बिजली उत्पादन होने से किसानों को चौबीसों घंटे बिजली मिलने लगी, विद्युत पंपों के जाल बिछ गये। फलस्वरूप खेती लहलहाने लगी, उत्पादन दुगुना हो गया। शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ। कुपोषण व अशिक्षा के खिलाफ संघर्ष तेज हुआ। सभी गांव बारामासी सड़कों से जुड़ गये। कुल मिलाकर छत्तीसगढ़ में विकास की बयार बहने लगी। गांवों, कस्बों एवं शहरों की तकदीर व तस्वीर बदल गई। वर्तमान में अत्यंत ही सरल, सहज व सुशासन के प्रतीक श्री विष्णुदेव साय के हाथ में प्रदेश की बागडोर है, जो विगत दो वर्षों से "मोदी की गारंटी" के तहत प्रदेश की खुशहाली के साथ साथ विकास की नई गाथा गढ़ रहें हैं। केंद्र से बेहतर तालमेल बनाकर बस्तर को तेजी से माओवादियों के आतंक से मुक्त किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्देश एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में चल रहे नक्सली उन्मूलन अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। शांति व विकास के मार्ग की सभी बाधाओं को लांघ कर बस्तर सहित समूचा छत्तीसगढ़ इन दिनों तेजी से उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है।

सदैव-अटल

जन्मदिवस विशेष

शिवप्रकाश

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह शताब्दी वर्ष है। 25 दिसंबर 1924 को उनका जन्म ग्वालियर मध्य प्रदेश में माता श्रीमती कृष्णा देवी एवं पिता श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी के परिवार में हुआ था। 16 अगस्त 2018 को वह अपनी इहलीला पूर्ण कर स्वर्गवासी हो गए। अपनी आयु के 94 वर्ष की इस कालावधि में जिया गया उद्देश्यपूर्ण जीवन आज भी समस्त देश के लिए अनुकरणीय है। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन मेधावी छात्र, प्रखर वक्ता, स्वतंत्रता सेनानी, संवेदनशील पत्रकार, भाषा स्वाभिमानी, निर्भीक एवं कुशल प्रशासक, राष्ट्रीय अखंडता एवं संस्कृति के अनन्य पुजारी जैसे गुणों का समुच्चय था। अपने इन्हीं गुणों के कारण वे केवल अपने प्रशंसकों में ही नहीं, वरन अपने विरोधियो के दिलों पर भी राज करते थे। उनके गुणों से प्रभावित होकर रूस के राष्ट्रपति श्री ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि "वह एक उत्कृष्ट राजनेता थे। उनका नाम भारतीय राजनीति में एक पूरे युग के साथ जुड़ा हुआ है।"

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन राष्ट्र की अखंडता एवं एकात्मता के लिए समर्पित था। भारत के साथ कश्मीर विलय को लेकर वह प्रारंभ से ही डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ ही जुड़ गए थे। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह संदेश कि "बिना परमिट मै कश्मीर में प्रवेश कर गया हूँ यह संदेश संपूर्ण देश में भिजवा दो", इसके साथ वह जीवन पर्यंत भावनात्मक रूप से जुड़े रहे। कश्मीर विषय पर सत्ता के बाहर रहते समय संघर्ष एवं प्रधानमंत्री बनने के बाद समाधान यह उनके जीवन का लक्ष्य रहा। उनका प्रसिद्ध वाक्य "पाकिस्तान कश्मीर के बिना अधूरा है तो भारत पाकिस्तान के बिना अधूरा है।" सदैव उनकी भारत के प्रति भक्ति एवं अखंडता के भाव को प्रकट करता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की कश्मीर एवं हिंदु शरणार्थी विषय पर लचर एवं अदूरदर्शी नीतिका उन्होंने सदैव विरोध किया। संसद से सड़क तक उन्होंने चीनी साम्राज्यवादी नीति का विरोध किया। तिब्बत का चीन के कब्जे में जाना भारत की उत्तरी सीमा का असुरक्षित होना होगा, यह उनका दृढ विचार था। 1959 में संसद में कहा उनका प्रसिद्ध वाक्य "तिब्बत की आजादी की लाश पर हम चीन के साथ अपनी दोस्ती का महल नहीं खड़ा कर सकते।" गोवा एवं दमन-दीव में 1961 की सैन्य कार्यवाही का समर्थन करते हुए अटल जी ने कहा था कि "यह युद्ध नहीं, भारत की खोई हुई सांसों की वापसी है।" और "यह केवल भूभाग की वापसी नहीं है, यह भारत के आत्मसम्मान की पुनः स्थापना है।" वेरुवाडी पर बहस करते हुए उन्होंने संसद के माध्यम से सरकार को चेतावनी दी थी कि "सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वह देश की भूमि को दान में दे, यह राष्ट्र की संपत्ति है किसी व्यक्ति या सरकार की जागीर नहीं।"

अटल जी ने राष्ट्रधर्म, पांचजन्य, वीर अर्जुन और स्वदेश के माध्यम से पत्रकारिता क्षेत्र में प्रवेश किया था। उनकी स्पष्ट मान्यता थी कि "पत्रकारिता का अर्थ सिर्फ खबरें छापना नहीं है, बल्कि राष्ट्र को दिशा देना है।" समाचार पत्र समाज के लिए दर्पण के साथ-साथ दीपक समान होता है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रवादी पत्रकारिता के माध्यम से इसी लक्ष्य को साधने का प्रयास किया। आज के पत्रकारिता जगत में उनका यह विचार प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने देश के विकास में नए आयाम जोड़ने का कार्य किया। उनका शासन संवेदनशीलथा। आर्थिक विकास, ढांचागत विकास, सुरक्षा, शिक्षा एवं गरीबी दूर करने के लिए उनके प्रयास सराहनीय है। राजग के 24 दलों से बनी उनकी सरकार बेहतर संतुलन एवं समन्वय का अतुलनीय उदाहरण थी। बहुदलीय सरकार होने के बाद भी उन्होंने प्रधानमंत्री पद की गरिमा एवं संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं को उन्नत करने का कार्य किया। उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम को जोड़ने के लिए उनके द्वारा प्रारंभ की गई "स्वर्णिम चतुर्भुज योजना" तथा मुख्य मार्ग से गांव को जोड़ने वाली "प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना" भारत के आर्थिक विकास की आधार स्तंभ बनी है। उनका मानना था कि "सड़कें राष्ट्र की धमनियां है,अगर ये रुक गई, तो देश का विकास रुक जाएगा।" कनेक्टिविटी ही प्रगति की कुंजी है। निरक्षरता एवं निर्धनता का गहरा संबंध है अतः निरक्षरता को दूर करने के लिए उन्होंने महत्वाकांक्षी योजना "सर्व शिक्षा अभियान" तथा आर्थिक दबाव होने के बाद भी गरीबों को भुखमरी से उबारने के लिए "अंत्योदय अन्न योजना" उनकी ऐतिहासिक पहल थी। सूखे से राहत एवं समस्त जल के उपयोग के लिए "नदी जोड़ों परियोजना" जैसी पहल उनकी दूरदर्शिता को प्रकट करती है। आज की संचार क्रांति श्री अटल जी की ही देन हैं। जिसको मोबाइल फ़ोन का लोकतांत्रिकरण कहा गया था। देश की प्रगति में विज्ञान द्वारा अन्वेषण के महत्त्व को प्रकट करते हुए उन्होंने जय जवान, जय किसान के साथ जय विज्ञान का उद्घोष किया।

11 एवं 13मई 1998 को भारत द्वारा पोखरण में परमाणु विस्फोट उनके अदम्य साहस, कुशल रणनीतिएवं दूरदर्शिता को प्रकट करता है। पोखरण विस्फोट के समय आवश्यक गोपनीयता के पालन, आर्थिक प्रतिबंधों से देश को उबारने की उनकी रणनीति, किसी भी दबाव के आगे न झुकते हुए भारत को वैश्विक पटल पर जिम्मेदार देश का स्थान दिलाना उनके राष्ट्रीय स्वाभिमानी भाव को दर्शाताहै। अपने को परमाणु शक्ति संपन्न बनाना एवं भारत के परमाणु शक्ति संपन्न होने पर विरोध करने वाले व्यवहार पर उनका वक्तव्य "परमाणु शक्ति से युक्त दुनिया के देशों को पंच महाभूत कहकर ललकारना" यह केवल अटल जी ही कर सकते थे।

भारत के हितों का संरक्षण करते हुए पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध, चीन के साथ संबंधों की पहल, अमेरिका सहित बड़े देशों के साथ अच्छे संबंध रखते हुए उन्होंने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को महत्त्व दिया। आतंक के संबंध में वैश्विक जागृति उनके प्रयास का ही परिणाम थी। शक्ति के साथ शांति उनकी विदेश नीति का आधार थी, इसी कारण शांति के लिए वह स्वयं बस लेकर लाहौरभी गए थे। मुशर्रफ़ के द्वारा युद्ध थोपने पर उनके नेतृत्व में कारगिल में हमारी सेनाओं ने मुंहतोड़ जवाब भी दिया था। वह शांति प्रणेता भी थे एवं युद्ध विजेता भी थे।

राष्ट्र प्रथम व्यवहार के वह जीवंत प्रतीक थे। विपक्षी नेता होने के बाद भी राष्ट्र की आवश्यकता पर वह समस्त मतभेद भुलाकर सदैव देश के साथ खड़े रहे। बांग्लादेश युद्ध के अवसर पर प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी का समर्थन किया एवं 1994 में भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव के आग्रह परप्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर कश्मीर मुद्दे पर भारत को सफलता दिलाई,आर्थिक नीतियों पर प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर का सहयोग उनका आदर्श लोकतांत्रिक विपक्ष के नेता का व्यवहार था। जो आज भी सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए अनुकरणीय है।

प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय स्वाभिमान से ओतप्रोत, आदर्श नेता थे। संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी भाषा में भाषण उनकीस्वभाषा के प्रति प्रेम को प्रकट करता है। समस्त महापुरुषों के प्रति सम्मान, भारतीय संस्कृति का आचरण एवं भारतीय वेश के प्रति स्वाभिमान उनके जीवन की विशेषता थी। सभी स्तर की शिक्षा अपनी मातृभाषा में हो,इस पर उनका सदैव आग्रह रहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से जिसको अब वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण किया जा रहा है। पोखरण परमाणु विस्फोट के उपरांत प्रतिबंध लगने पर अमेरिकी राष्ट्रपति श्री बिल क्लिंटन को लिखे पत्र में उन्होंने लिखा था कि "भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा।" यह स्वाभिमानी भारत का अमेरिका के लिए संदेश था। श्री अटल बिहारी वाजपेयी प्रख्यात कवि थे। राष्ट्र की अखंडता, स्वतंत्रता, लोकतंत्र एवं उनके निस्पृही स्वभाव को प्रकट करने वाली कविताओं की रचना उन्होंने की। अपनी भाषण शैली के लिए तो वह प्रसिद्ध ही थे। अपने विरोधियो से लेकर सामान्य जनता तक को वह अपनी वक्तव्य कला से मंत्रमुग्ध कर लेते थे।

सदैव भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए वह समर्पित रहे। लोकतंत्र की रक्षा के लिए उन्होंने अस्वस्थ होते हुए भी कष्टकारी आपातकाल को कारावास में बिताया। अनैतिक माध्यमों को न स्वीकार करते हुए उन्होंने अपनी सरकार को खोना पसंद कियायह आदर्श आचरण उनकी लोकतान्त्रिक प्रतिबद्धता को प्रकट करता है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपना संपूर्ण जीवन मातृभूमि की सेवा में समर्पित किया। उनके लिए "भारत भूमि का टुकड़ा नहीं, यह जीता जागता राष्ट्रपुरुष है। इसका कण-कण पवित्र शंकर सा, नदियां गंगा समान हैं, यह वंदन एवं अभिनंदन की भूमि है। हम जिएंगे भी राष्ट्र के लिए एवं मरेंगे भी राष्ट्र के लिए।" उनके मन के यह भाव आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरणा प्रदान करते हैं। उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर हम सभी भारत को समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित भारत बनाने का संकल्प लें। यही स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

- लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

जीवन दर्शन भीतरी पराधीनता से मुक्ति

स्वाधीनता किसे अच्छी नहीं लगती? हर किसी की चाह होती है सारे बंधनों से मुक्त होने की। पिंजरे में बंद पक्षी हो या रस्सी से बंधा हुआ पशु, हर प्राणी स्वतंत्रता या स्वाधीनता चाहता है। फिर मनुष्य, जिसकी चेतना इन पशु-पक्षियों से कहीं श्रेष्ठ है, भला वह क्यों नहीं चाहेगा स्वाधीन होना? इसीलिए हर सभ्यता में मनुष्य ने सदैव स्वाधीनता के लिए संघर्ष किया है। तो क्या आज मानव जाति स्वाधीन है? शायद आप कहेंगे- हां। यह सही भी है, किंतु यदि हम ध्यान से देखें तो हमें समझ आ जाएगा कि सौभाग्य से मानव जाती बाह्य स्वतंत्रता तो पा चुकी है, किंतु दुर्भाग्य से आज बहुत बड़े स्तर पर भीतरी पराधीनता से त्रस्त है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम अपनी इस भीतरी पराधीनता को ही स्वाधीनता समझने लगे हैं, क्योंकि स्वाधीनता की हमारी सोच अत्यंत बचकानी हो गई है। पराधीनता दो प्रकार की होती है- बाहरी और भीतरी। बाहरी पराधीनता से स्वाधीन होना फिर भी आसान है, क्योंकि हमें बाहरी स्वाधीनता की प्रतीति होती है और हम पूरी जान लगाकर उसके लिए प्रयास करते हैं। लेकिन भीतरी पराधीनता से मुक्ति..? हमें तो अपनी इस भीतरी पराधीनता की प्रतीति तक नहीं है, फिर स्वाधीनता का प्रयास कैसे होगा? हम आज भी पराधीन हैं - कई स्तरों पर, कई रूपों में। तो क्या है यह भीतरी पराधीनता? किसके अधीन हैं हम? आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।'

संकलित

दर्शन

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

संकलित

प्रेरणा

जिस युग में विचार बोले, उसका नाम अटल था

अटल: जहाँ कलम ने राष्ट्र की आत्मा लिखी

लेखक भास्कर मिश्र वरिष्ठ पत्रकार बिलासपुर

अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व किसी एक पद, एक भूमिका या एक पहचान में सीमित नहीं किया जा सकता। वे ऐसे सार्वजनिक पुरुष थे, जिनके विचार राजनीति में भी साहित्य की गरिमा रखते थे और पत्रकारिता में भी राष्ट्रनीति की स्पष्टता। उनके योगदान का स्मरण केवल प्रधानमंत्री या प्रखर वक्ता के रूप में करना, उनके बहुआयामी कृतित्व के साथ अधूरा न्याय होगा।

जनमानस प्रायः अटल को राजनेता के रूप में याद करता है, लेकिन उनकी वैचारिक नींव पत्रकारिता में तैयार हुई थी। वे उन दुर्लभ व्यक्तित्वों में रहे, जिन्होंने समाचार पत्र को सिर्फ सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का औजार माना। वीर अर्जुन, स्वदेश, राष्ट्रधर्म और पांचजन्य जैसे पत्रों से उनका संपादकीय जुड़ाव, इस बात का प्रमाण है कि उनके लिए पत्रकारिता सत्ता का सहचर नहीं, समाज का पथप्रदर्शक थी।

अटल की पत्रकारिता में राष्ट्रीयता कोई नारा नहीं, बल्कि स्वाभाविक संस्कार के रूप में उपस्थित रहती है। भारतीयता, सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों का जो सहज प्रवाह उनके लेखन में दिखता है, वह किसी आरोपित विचारधारा का परिणाम नहीं, बल्कि गहन अध्ययन और आत्मसात की हुई दृष्टि का प्रतिफल है। उनके लेखों और भाषणों में रामचरित मानस के संदर्भ केवल साहित्यिक अलंकरण नहीं, बल्कि सामाजिक बोध को सरल बनाने का माध्यम रहे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद का दर्शन अटल की पत्रकारिता में स्पष्ट रूप से झलकता है। राष्ट्रधर्म मासिक में कार्य करते हुए उन्होंने यह समझ विकसित की कि पत्रकारिता का अंतिम लक्ष्य मनुष्य है— समग्र मनुष्य, समाज से जुड़ा हुआ मनुष्य। यही कारण है कि उनके लेखों में नीति, नैतिकता और व्यवहार का संतुलन दिखाई देता है। अटल की वैचारिक दृष्टि केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रही। ग्वालियर की सांस्कृतिक चेतना, कानपुर में श्रमिक आंदोलनों का प्रत्यक्ष अनुभव, प्रयागराज में अंग्रेजी साप्ताहिक के माध्यम से वैचारिक मंथन और काशी में ह्यचेतनाह्ण पत्रिका का प्रकाशन—इन सभी पड़ावों ने उनकी पत्रकारिता को गहराई और विस्तार दिया। उनकी कविताओं और संपादकीय में भ्रष्टाचार और कुशासन के विरुद्ध जो ओज दिखाई देता है, उसमें काशी की वैचारिक ऊर्जा साफ महसूस होती है। 4 अक्टूबर 1977 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल कूटनीतिक घटना नहीं था, वह भारतीय भाषाओं के आत्मविश्वास की वैश्विक घोषणा थी। यह वही क्षण था जब हिंदी ने विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई—ठीक वैसे ही जैसे एक सदी पहले स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में भारत की आध्यात्मिक चेतना को स्वर दिया था। पत्रकार होने के नाते अटल संचार कर्मियों की चुनौतियों को गहराई से समझते थे। संसदीय जीवन से लेकर शासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी तक, पत्रकारों के कल्याण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता बनी रही। पुणे में 20 जनवरी 1982 को दिया गया उनका पत्रकारिता विषयक व्याख्यान आज भी मार्गदर्शक संदर्भ के रूप में देखा जाता है। आज अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन है। सुशासन दिवस के साथ जुड़ा यह दिन पत्रकारिता और संचार क्षेत्र से जुड़े लोगों को यह याद दिलाता है कि कलम जब मूल्य आधारित होती है, तब सत्ता भी संवाद करने को विवश होती है। अटल की पत्रकारिता इसी मूल्य-बोध की स्थायी मिसाल है—जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी अपने समय में थी।

भारतीय राजनीति के नक्षत्र अटल जी

हम टूट सकते हैं, झुक नहीं सकते' अटल बिहारी वाजपेयी जी पर यह उक्ति सटीक बैठती है जब आपातकाल (इमरजेन्सी) के दौरान उन्होंने अपने गम्भीर पीट दर्द के चलते चिकित्सीकीय लाभ और जेल से रिहा होने के लिए इंदिरा जी के संदेश को स्वीकार नहीं किया था। आपातकाल के अनेक प्रसंग त्रासदायी है उसमें भी अटल जी ने अपनी रचनाधर्मी सोच को लोकत्रांत्रिक कलेवर देकर सबको झझकोरा और आशावादी अंतर्धारा को प्रवाहित कर इस उक्ति को राष्ट्रीय धरातल पर चरितार्थ किया। तभी परिवर्तन दुनिया के सामने एक नई राजनीतिक संस्कृतिक का उदय जनता पार्टी के रूप में सन 1977 में हुआ। मुख्य तौर पर अटल जी के दीर्घ संसदीय जीवन आज भी लोकतंत्र की आईना के रूप में है, जिसे वर्तमान से लेकर अतीत के राजनीतिक प्रतिबिम्बों को निहारने के साथ ही परखा जा सकता है। अनेक विषयों पर उनका भाषण कालजयी तो है ही सामाजिक जीवन में उम्मीदों का अध्याय भी है। बारहवीं लोकसभा में एक सदस्य के तौर पर यद्यपि मुझे 13 महीने ही कार्य करने का अवसर मिला, परंतु इतने ही कालखण्ड में उनकी संसदीय विधाओं के प्रयोग को मैंने नये आकार लेते हुए देखा। संसद में बहस के दौरान मनुष्य की अदम्य लालसा तथा राजनैतिक महत्त्वाकांक्षा पर उनके व्यंग्य वाक्य आज भी राजनीतिक कोहरे में इन्द्रधनुष के लकीर की तरह है, जहाँ भारतीयता की पहचान अपनी चमक अलग दिखाई देती है। आज से दशक पहले ही अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक साक्षात्कार में स्वराज और धर्मनिरपेक्षता पर बेवाक विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि स्वदेशी और विदेशी में फर्क काफी संकरा हो गया है। इण्डिया और भारत में अन्तर को भी पाटना इसी पृष्ठभूमि में आज की जरूरत है। भारतीय बने रहने के प्रति अधिक सचेत हो सकते हैं। उनके धुर विरोधी भी स्वीकारते हैं कि अटल जी इस कालखण्ड के सबसे समावेशी राष्ट्रवादी नेता है, जिन्होंने भारतीय अस्मिता को जाग्रत करने के लिए वैश्विक मंच का उपयोग किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में भाषण देने का प्रथम राजनेता होने का गौरव हासिल किया। आर्थिक सुधारों के लिए भी अटल जी ने जो राजनैतिक दर्शन और अपना आधार बनाया वह था 'सर्वानुमिति का मंत्र' जैसे आज भारत के शीर्ष राजनैतिक नेतृत्व ने भी सबका विकास, सबका साथ'को मूलमंत्र की मान्यता दी है।

अटल जी जन-जन से प्रेम करने वाले जननायक हैं। वे एक अप्रतिम वक्ता, संवेदनशील कवि और विचारवान लेखक के साथ भारत के महान नेता है। उनका समग्र व्यक्तित्व अभ्यर्थना और अवमानना के मोह पाश से मुक्त है। वे काव्य व्यक्तित्व के छंद बन गये हैं जिसमें उत्साह का प्रवाह निरंतर होता रहता है। हम यह कह सकते हैं कि अपनी स्वच्छ एवं निष्ठा प्रधान विचारधारा के कारण वे उपमेय से उपमान बन गये हैं। आकाश के सप्तर्षि मण्डल को हम आप देखते ही होंगे वह एक नक्षत्र की परिकमा किया करता है। अटल जी मेरी दृष्टि में भारतीय राजनैतिक गगन के नक्षत्र बन गये हैं।

गुंज उठी गीता की वाणी, मंगलमय जन-जन कल्याणी।
अपढ़ अजान विश्व ने पाई, शीश झुकाकर एक धरोहर।।

-चंद्रशेखर साहू, पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता हैं।

सुशासन ही विकास का मंत्र - गुलाब सिंह

शक्तिनगर। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय के तत्वाधान में दिनांक 25 दिसंबर 2025 को भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती एवं सुशासन दिवस के अवसर पर स्वयं सेवकों द्वारा श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस आयोजन में स्वयंसेवकों द्वारा एनटीपीसी परिसर एवं आसपास के स्थानीय बस्तियों में जाकर साफ सफाई का कार्य कर स्वच्छता का संदेश दिया गया ।

अब उन्नाव मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, एक विशेष याचिका दायर

महिला वकीलों ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी, उन्होंने सबूतों को समझने में नाकामी बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2017 के उन्नाव दुष्कर्म केस मामले में पूर्व भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके जेल की सजा निलंबित करने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष याचिका दायर की गई है। मामले में वकील अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार की ओर से दायर याचिका में हाई कोर्ट के फैसले पर तुरंत रोक लगाने की मांग की गई है। उन्होंने दलील दी कि हाई कोर्ट ने यह विचार किए बिना आदेश पारित किया कि ट्रायल कोर्ट ने सेंगर को शेष जीवन जेल में बिताने योग्य माना था।उन्होंने कहा कि गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड और दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों में उसकी पक्की संलिप्तता के बावजूद सेंगर को सजा निलंबित करके हाई कोर्ट ने कानून और तथ्यों दोनों के मामले में गंभीर गलती की है। हाई कोर्ट पीड़ित पक्ष की ओर से पेश किए गए सबूतों को समझने में नाकाम रहा, जो कि आरोपी की बर्बरता और क्रूरता को दिखाता है। यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने परिवार को चुप कराने और न्याय की प्रक्रिया को रोकने के लिए पीड़िता के पिता की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दिया।

आरोपः हाई कोर्ट ने कानून और तथ्यों दोनों के मामले में गंभीर गलती की

सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट ने सजा निलंबित की

फिलहाल जेल में ही रहेगा आरोपी

23 दिसंबर को, दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव दुष्कर्म केस में कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दी। कोर्ट ने कहा कि सेंगर ने 7 साल और 5 महीने जेल में बिता लिए हैं, इसलिए उनकी सजा को निलंबित किया जाता है। हालांकि सेंगर जेल में ही रहेगा क्योंकि वह पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की सजा काट रहा है और उस मामले में उसे जमानत नहीं मिली है।

हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत दी थी

मामले में हाई कोर्ट ने कई शर्तें लगाते हुए सेंगर को राहत दी थी। कोर्ट ने 15 लाख के पर्सनल बॉन्ड, इतनी राशि की 3 जमानतों और दिल्ली में पीड़िता के घर के 5 किमी के दायरे में न आने जैसी कड़ी शर्तों के साथ उसे राहत दी थी। दिसंबर 2019 में ट्रायल कोर्ट ने नाबालिग के अपहरण और रेप के मामले में सेंगर को दोषी ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही यह पूरा मामला 2019 में उत्तर प्रदेश से दिल्ली ट्रांसफर किया गया था। फिलहाल अब सुप्रीम कोर्ट यह तय करेगा कि इस मामले में सजा निलंबन का आदेश कानूनन उचित है या नहीं।

कोर्ट के फैसले के बाद सर्वाइवर ने कहा

हाईकोर्ट के फैसले को 'काल' बताया

उन्नाव की पीड़िता ने सेंगर की सजा को सस्पेंड करने के हाई कोर्ट के फैसले को अपने परिवार के लिए 'काल (मौत)' बताया है। पीड़िता और उसकी मां को हाल ही में दिल्ली में एक प्रोटेस्ट से हटाया गया, जहां उन्होंने सेंगर की बेल को लेकर चिंता जताई थी।

प्रधानमंत्री से भी मिलने का मांगा समय

दुष्कर्म पीड़िता और उनकी मां ने मंडी हाउस पहुंचकर विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बल ने उन्हें बीकानेर हाउस से हिरासत में लेकर कुछ घंटे बाद छोड़ दिया। 25 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से भी मिलने के लिए समय मांगा है।

पीड़िता ने की कांग्रेस शासित राज्य में पुनर्वास की मांग

सेंगर कहीं भी पहुंच सकता...

उन्नाव रेप केस मामले की पीड़िता ने अपने जीवन की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है और सेंगर से बचने के लिए कांग्रेस शासित राज्य में स्थानांतरण की मांग की है। उन्होंने कहा कि सेंगर कहीं भी पहुंच सकता है। और उनका जीवन खतरे में है।

एएमयू के परिसर में सनसनीखेज वारदात

शिक्षक दानिश को बदमाशों ने गोलियों से भून डाला

एजेंसी ▶▶ अलीगढ़

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में स्थित प्रतिष्ठित अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के परिसर में बुधवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात हुई। एबीके यूनियन हाई स्कूल (एबीके बॉयज स्कूल) में कंप्यूटर विज्ञान के शिक्षक राव दानिश अली (45) की नकाबपोश बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना लाइब्रेरी के पास स्थित कैंटीन क्षेत्र में उस समय हुई, जब दानिश अली अपने दो साथियों के साथ रोजाना की तरह शाम की सैर पर थे। दो हमलावर स्कूटी पर सवार होकर आए थे। राव दानिश अली 2015 से इसी स्कूल में पढ़ाते थे। वे एएमयू के पूर्व छात्र रह चुके थे और परिवार का गहरा नाता यूनिवर्सिटी से था।

बुधवार रात करीब 8:45 बजे हत्या की

सीओ तृतीय सर्वम सिंह के अनुसार घटना रात करीब 8:45 बजे हुई और राव दानिश अली मूल रूप से डिबाई क्षेत्र (बुलंदशहर) के रहने वाले थे। उनका परिवार कई दशक से अमीर निशा मक्खन वाली कोठी के पास रहता है। उनकी मां एएमयू में शिक्षक और पिता एएमयू में कर्मचारी रहे हैं। एएमयू में ही पढ़ाई के बाद खुद राव दानिश अली को भी एबीके बॉयज स्कूल में कंप्यूटर शिक्षक की नौकरी मिल गई थी।

1 से 2 पैसा प्रति किमी की वृद्धि की

भारतीय रेलवे ने आज से लागू की नई किराया दरें

▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने किराया संरचना में संशोधन करते हुए शुक्रवार से नई दरें लागू कर दी हैं। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि उपनगरीय सेवाओं (लोकल ट्रेन), सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी (साधारण) की यात्रा के किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। आरक्षण शुल्क और सुपरफास्ट चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। स्लीपर और प्रथम श्रेणी (साधारण) में केवल 1 पैसा प्रति किमी और मेल व एक्सप्रेस ट्रेन की सभी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किमी वृद्धि की है।

गठबंधन करते उद्धव और राज को लगा बड़ा झटका

महासचिव दिनकर सहित शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

गुरुवार को नासिक जिले में राज ठाकरे की एमएनएस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। दोनों दलों के कई नेता भाजपा में शामिल हो गए। इनमें एमएनएस के पूर्व विधायक नितिन भोसले, शिवसेना (यूबीटी) के पूर्व मेयर विनायक पांडे, एमएनएस के पहले मेयर यतिन वाघ, कांग्रेस नेता शाहू खैरे और संजय चव्हाण है। इसमें मनसे के प्रदेश महासचिव दिनकर पाटिल का भी नाम है।

भाजपा की विचारधारा में जताया विश्वास

निरुपम ने गठबंधन पर बोला हमला

खान-पठान के साथ आए, मुंबई में खतरा

उद्धव और राज ने बीएमसी चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया है। शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम ने उद्धव और राज के गठबंधन पर हमला बोला है। सीएम फडणवीस का समर्थन करते हुए आरोप लगाया कि ठाकरे परिवार की राजनीति अब 'जिहादी मानसिकता' के इर्द-गिर्द है।

राहुल ने की कर्नाटक सरकार की तारीफ वैष्णव ने सराहा

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर कर्नाटक सरकार की तारीफ की। बेंगलुरु स्थित फॉक्सकॉन के वूमेन लेड आईफोन यूनिट में रिकॉर्ड भर्ती का उल्लेख किया, जिसमें लोगों को नौकरी मिली। राहुल की पोस्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर थैंक यू लिखा है।

ट्रिनिटी चर्च में क्रिसमस पर प्रार्थना

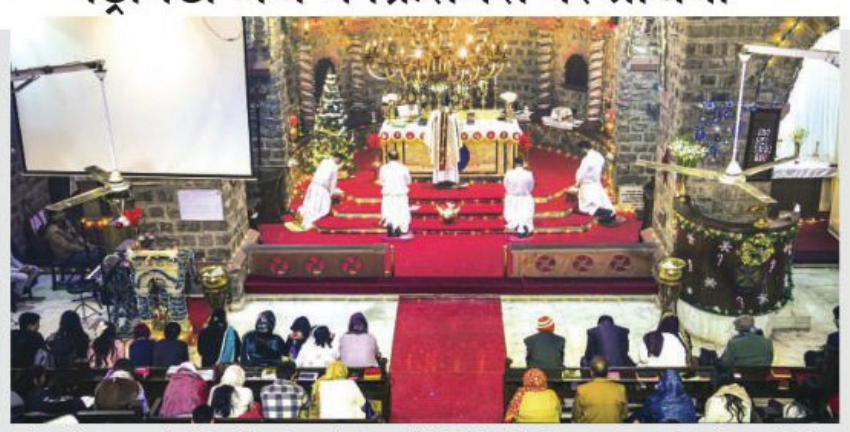

नई दिल्ली। गुरुवार को नई दिल्ली के तुर्कमान गेट स्थित होली ट्रिनिटी चर्च में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान ईसाई श्रद्धालु प्रार्थना करने के लिए जमा हुए।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विद्यावती यादव पिता राजेन्द्र यादव जाति अहीर निवासी विश्रामपुर तहसील सूरजपुर जिला सुरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 119/37 रकबा 0.024 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1. खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ओम प्रकाश गुप्ता आ० शिवराज गुप्ता जाति तेली निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम कांतिप्रकाशपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 129/10, 129/11, 135/2 रकबा 0.011, 0.041, 0.003 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अंबिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंजना गुप्ता पत्नी विजय गुप्ता जाति हलवाई निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 607/127. 607/128, रकबा 0.005, 0.007 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

इश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एत्तद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल कुमार सिंह आ रामाशंकर सिंह जाति, क्षत्रिय निवासी विश्रामपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2/280, रकबा 0.029, हे० भूमि को कृषि मिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है

अतएव उक्त, संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर,

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एत्तद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती कुसुम गुप्ता पति जयचंद गुप्ता, जाति भुंजवा, निवासी ग्राम/नगर बाबूपारा अम्बिकपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 3664/18 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1. खसरा, नक्शा की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय :- चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 (आशीष भगत) सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

उ०प्र०कं0-15/2025

प्रो० नं० 212/25

पेशी दिनाँक 16/12/2025

1. सत्यनारायण नाई आ० शिवप्रसाद नाई, उम्र लग०- 55 वर्ष निवासी ग्राम पकनी, थाना - भैयाथान, तहसील- ओडगी, जिला- सूरजपुर छ.ग.

प्रति,

1. धरमप्रताप आ० सत्यनारायण नाई, उम्र लग० 30 वर्ष निवासी ग्राम पकनी, थाना- भैयाथान तहसील- ओडगी जिला- सूरजपुर छ०ग०

2. छ०ग० राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा शाखा प्रबंधक सलका (अधिना) तह०- भैयाथान जिला-सूरजपुर छ०ग०

3. आम जनता ग्राम- पकनी थाना- भैयाथान तहसील ओडगी जिला- सूरजपुर छ०ग०

बनामः-

इस इश्तेहार के जरिये अनावेदकगण व आम जनता सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यनारायण कि पत्नी स्व सोनमेत है, जिसकी मृत्यु दिनांक 23.11.2023 को ग्राम-पकनी, थाना-भैयाथान, तहसील- ओडगी जिला- सूरजपुर छ०ग० में गई है स्व सोनमेत नाई पत्नी सत्यनारायण की मृत्यु के पश्चात उसके उत्तराधिकारी आवेदक है, जो इस न्यायालय में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 372 भा० उत्तराधीकार अधि० के अन्तर्गत प्रस्तुत की है। स्व० सोनमेत पत्नी सत्यनारायण की मृत्यु के पश्चात स्व० सोनमेत पत्नी सत्यनारायण के नाम से अनावेदक छ०ग० राज्य ग्रामीण बैंक शाखा सलका (अधिना) में के बचत खाता कमांक 7009611477 बैंक में जमा राशि ब्याज सहित प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की आवश्यकता आवेदक को है, आवेदक की पत्नी स्व० सोनमेत पत्नी सत्यनारायण निवासी ग्राम पकनी थाना- भैयाथान तहसील ओडगी जिला सूरजपुर छ०ग० की मृत्यु के उपरांत प्रथम उत्तराधिकारी आवेदक ही है। यदि कोई व्यक्ति कोई दावा या हक रखते है तो कैफियत के साथ पेशी दिनांक 29/01/2026 को दिन के ठीक 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वतःअथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों। यदि आप बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नही होते है, तो आपके विरुद्ध प्रकरण का निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जावेंगा। यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है या कार्य दिवस स्थगित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि को किया जावेगा। आज दिनांक 16/12/2025 को इस न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(ASHISH BHAGAT)CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, SURAJPUR DISTT.-SURAJPUR(C.G.)

न्यायालय :-प्रधान जिला न्यायाधीश सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) (पीठासीन अधिकारी-विनीता वार्नर)

सिविल अपील क्रमांक-39-ए/2024

पेशी दिनांकः-20-01-2026

प्रो०नं०:-2385/2025

01-सुखदेव आत्मज गेदु उम्र लगभग 50 वर्ष, जाति-पण्डो, निवासी ग्राम-सोनपुर, तहसील भटगांव, जिला-सूरजपुर, वर्तमान निवासी ग्राम-तेलसारा, थाना व तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

02-सुखलाल आत्मज गेदु, उम्र लगभग-48 वर्ष, जाति-पण्डो, निवासी ग्राम-सोनपुर, तहसील भटगांव, जिला-सूरजपुर, वर्तमान वर्तमान निवासी ग्राम-मोहनपुर, थान थाना व तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) अपीलार्थीगण

प्रति,

01-विश्वनाथ आत्मज स्व० बलीराम माता ऋषि बाई, उम्र लगभग 48 वर्ष,

02-सुचेता पुत्री विष्णु, उम्र लगभग-32 वर्ष,

03-अंजली पुत्री विष्णु, उम्र लगभग-30 वर्ष,

04-सुनिता बेवा विष्णु, उम्र लगभग-60 वर्ष,

सभी जाति-उरांव, निवासी ग्राम-अलोरी, थाना व तहसील-मनोरा, जिला-जशपुर (छ०ग०)

05-सर्व साधारण (आम जनता) - उत्तरवादीगण

अपीलार्थीगण ने उत्तरवादीगण के विरुद्ध सिविल अपील अन्तर्गत धारा-96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता के तहत पेश किया गया है, उक्त प्रकरण में उत्तरवादीगण को कई बार उपस्थिति हेतु समंस भेजा गया है किन्तु समंस की तामिली नहीं हो पा रही हैं। अतः उत्तरवादीगण को इस ईश्तेहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त सिविल प्रकरण के संबंध में कोई आपत्ती हो तो वह दिनांक 20-01-2026 को दिन के ठीक 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो, जिसे सम्यक अनुदेश दिये हो और इस वाद से सम्बन्धित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देशित किया जाता है कि आप उस दिन सब दस्तावेजों जो आपके कब्जे व शक्ति में हो, पेश करें।यदि आप बताई गई उक्त तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है, तो आपके विरुद्ध प्रकरण का निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जावेगा। यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को सार्वजानिक अवकाश घोषित किया जाता है या कार्य दिवस स्थगित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस को किया जावेगा। आज दिनांक 08-12-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थानः-सूरजपुर।

दिनांकः-08-12-2025

(विनीता वार्नर) प्रधान जिला न्यायाधीश
सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025 26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मरियम खातुन पति जहीर हुसैन, निवासी वार्ड नं. 37 जरहागढ़, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है. कि आवेदिका के सहखातेदार पति जहीर हुसैन आ.मो० रसूल के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 08. मोहल्ला जरहागढ़ नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 2344/4 रकबा 0.02 1/2 एकड भूमि है। आवेदिका के पति सहखातेदार जहीर हुसैन आ०मो० रसूल की मृत्यु दिनांक 28/12/2014 को हो गई है। अतः जहीर हुसैन की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदिका द्वारा उक्त भूखण्ड से भूधारक जहीर हुसैन का नाम विलोपित किये जाने हेतु भूधारक जहीर हुसैन आ.मो. रसूली के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-12/01/ 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-26/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

खेल में हार जीत होती रहती है, अन्त तक जो मैदान में खड़ा रहता है, वही अच्छा खिलाड़ी होता है : संजय सिंह श्रीनेत

सिद्धार्थनगर , सांसद खेल महोत्सव 2025 के समापन कार्यक्रम के अवसर पर जिला स्पोर्टस स्टेडियम में मुख्य अतिथि अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग उ0प्र0 संजय सिंह श्रीनेत, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, पूर्व जिलाधिकारी गोरखपुर ओ0एन0 सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह एवं सांसद प्रतिनिधि एस0पी0 अग्रवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी जी के पोरबन्दर गुजरात से लाइव प्रसारण का कार्यक्रम मुख्य अतिथि अध्यक्ष लोक सेवा आयोग उ0प्र0 संजय सिंह श्रीनेत, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, पूर्व जिलाधिकारी गोरखपुर ओ0एन0 सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह एवं सांसद प्रतिनिधि एस0पी0 अग्रवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव की उपस्थिति में देखा गया। प्रधानमंत्री जी द्वारा विभिन्न राज्यों में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों से संवाद एवं उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष लोक सेवा आयोग उ0प्र0 संजय सिंह श्रीनेत को सांसद द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। सांसद प्रतिनिधि एस0पी0 अग्रवाल द्वारा पूर्व जिलाधिकारी गोरखपुर, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष लोक सेवा आयोग उ0प्र0 संजय सिंह श्रीनेत, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, पूर्व जिलाधिकारी गोरखपुर ओ0एन0 सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय उसका बाजार की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति की गयी। पूर्व माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर के बच्चों द्वारा योग का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष लोक सेवा आयोग उ0प्र0 संजय सिंह श्रीनेत ने खेल को प्रोत्साहित करने के प्रधानमंत्री जी के संकल्प एवं सांसद डुमरियागंज के प्रयास की सराहना करते हुए प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। उन्होने कहा कि सांसद खुद खेल से जुड़े हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों के प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए भव्य रूप से सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। उन्होने कहा कि खेल में हार जीत होती रहती है, अन्त तक जो मैदान में खड़ा रहता है, वही अच्छा खिलाड़ी होता है।

अटल जी ने बनाया छत्तीसगढ़, मोदी जी इसे संवार रहे - उद्योग मंत्री

राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री के अभिभाषण को सुना अतिथियों व नागरिकों ने

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज सुशासन दिवस के अवसर पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को संवारने का काम कर रहे हैं। उन्होने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के संबंध में जितना भी कहा जाए, वह कम है, उन्होने अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व के स्वामी थे, जिनका सम्मान विपक्षी नेता भी करते थे तथा देश का हर वर्ग उनकी कार्यशैली, उनके आचरण व उनके सिद्धांतों का कायल था। उक्त बातें उद्योग मंत्री ने कोरबा में आयोजित सुशासन दिवस के अवसर पर कही। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व.अटलबिहारी बाजपेयी की 101 वीं जयंती पर आज जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विवेकानंद उद्यान के सामने स्थित अटल परिसर में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया, आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग मंत्री ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति प्रदान की, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, तो वहीं कार्यक्रम में सभापति नूतन सिंह ठाकुर, गोपाल मोदी, प्रभारी कलेक्टर व निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण व पार्षदगण उपस्थित थे। उद्योग मंत्री देवांगन ने अटल परिसर में स्थापित अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कार्यक्रम की शुरूआत कराई, वहीं राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए अभिभाषण का श्रवण भी अतिथियों व नागरिकों के द्वारा किया गया, उपस्थितजन राजधानी रायपुर के उक्त सम्पूर्ण आयोजन में आनलाईन रूप से शामिल भी हुए। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि आज अत्यंत शुभ दिन है, अटल जी की

जन्मजयंती के दिन आज प्रदेश के 115 शहरों में अटल परिसर का लोकार्पण हुआ है, उन्होने कोरबा में निर्मित अटल परिसर की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से यह सर्वश्रेष्ठ अटल परिसर है। उद्योग मंत्री ने आगे कहा कि डॉ.रमन सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में प्रदेश के गांव-गांव में अटल चौक का निर्माण कराया था, और अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव प्रदेश के सभी शहरों में अटल परिसर का निर्माण कराया है।

भारतीय राजनीति के युगपुरूष थे अटल जी

इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतरत्न स्व.अटलबिहारी बाजपेयी भारतीय राजनीति के युग पुरूष थे, उन्होने अपने राजनीतिक जीवन में नये आदर्शो को गढ़ा तथा कभी भी अपने सिद्धांतों के साथ कोई समझौता नहीं किया। अटल जी अपने अटल निर्णयों के लिए जाने जाते थे, अटल जी को कभी सत्ता का मोह नहीं था, उनका जीवन देश की सेवा व जनहित के लिए समर्पित था। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि निगम द्वारा अटल जी की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में विगत 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक अपने सभी जोन कार्यालयों में सुशासन दिवस शिविर आयोजित किए गए तथा आमजनता की समस्याओं का निराकरण किया गया। उन्होने कहा कि जनताजनार्दन की समस्याओं का निराकरण कर कोरबा को समस्यामुक्त शहर बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अटल जी ने स्थापित किए महान आदर्श

इस अवसर पर आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन एक ऐसे जन नेता की जन्मजयंती का दिन है, जिन्होने अपने महान आदर्शो को स्थापित किया तथा इन आदर्शो पर अडिग रहे, उनकी जयंती को हम सुशासन दिवस के रूप में मनाते हैं। आयुक्त पाण्डेय ने निगम द्वारा विगत 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक अपने सभी 07 जोन कार्यालयों में आयोजित किए गए गुड गवर्नेस वीक शिविरों के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि इन शिविरों में कुल 618 आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से जिन आवेदनों व समस्याओं का तत्काल निराकरण संभव था, ऐसे 162 आवेदन तत्काल निराकृत किए गए, शेष 456 आवेदन पत्र विभिन्न समस्याओं व मांग से संबंधित हैं, जिन्हें आवश्यक प्रक्रिया में लेकर समयसीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

अटल जी की सख्शियत अद्वितीय

इस अवसर पर गोपाल मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी की सख्शियत भारतीय राजनीति में अद्वितीय रही है।

शीर्ष नक्सली नेता गणेश CBI का न्यूट्रलाइजेशन नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार - मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री ने ओडिशा के कंधमाल-गंजाम सीमावर्ती वन क्षेत्रों में संचालित संयुक्त सुरक्षा अभियान में सीपीआई (माओवादी) संगठन के शीर्ष नेतृत्व में शामिल गणेश CBI के न्यूट्रलाइज किए जाने को नक्सलवाद के विरुद्ध चल रही निर्णायक लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नक्सल तंत्र की रीढ़ पर सीधा प्रहार है तथा स्पष्ट संदेश है कि अब नक्सल हिंसा के लिए देश में कहीं भी सुरक्षित ठिकाना शेष नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में यह एक ठोस और निर्णायक कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में देश नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। एक-भारत श्रेष्ठ-भारत की भावना के साथ केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति एवं विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 115 शहरों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री ने आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर राज्य के 115 नगरीय निकायों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उन्होंने राजधानी रायपुर में अटल एक्सप्रेस-वे के फुंडहर चौक पर स्थापित अटलजी की प्रतिमा का अनावरण तथा अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल रूप से जुड़कर अन्य 114 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब कार्यक्रम में उपस्थित थे। श्री साय ने फुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत 186 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत 23 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपये के 17 कार्यों का भूमिपूजन तथा एक करोड़ 49 लाख रुपये के 6 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रकाशित

अटल परिसरों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पाँच हितग्राहियों को भवन निर्माण अनुज्ञा-पत्र एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत पाँच महिला हितग्राहियों को 50-50 हजार रुपये के चेक वितरण किए गए। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में अटलजी की 101वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित नागरिकों को सुशासन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासी आज अटलजी को कृतज्ञतापूर्वक नमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटलजी तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे, वे अजातशत्रु, प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि एवं श्रेष्ठ साहित्यकार थे। विरोधी दल भी उनके भाषणों को सुनने के लिए उत्सुक रहते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से अटलजी ने गांव-गांव तक पक्की सड़कों का जाल बिछाया और बारहमासी सड़कों से ग्रामीण भारत को जोड़ा, जिससे छह लाख से अधिक गांवों में विकास के द्वार खुले। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सुलभ कृषि ऋण उपलब्ध कराया गया, जिसका लाभ आज करोड़ों किसान उठा रहे हैं। अटल जी ने आदिम जाति विकास मंत्रालय का गठन कर उन्होंने आदिवासी कल्याण की योजनाओं को नई दिशा दी। श्री साय ने कहा कि आज प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया गया है। इससे पूर्व 60 स्थानों पर परिसरों का लोकार्पण हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने 187 करोड़ के 23 कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर के फुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 186 करोड़ 98 रुपए लागत के 23 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपए के 17 कार्यों का भूमिपूजन और एक करोड़ 49 लाख रुपए के छह कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने एक करोड़ रुपए की लागत से तेलीबांधा चौक पर निर्मित सिंदूर पथ, 49 लाख रुपए से अटल एक्सप्रेस-वे में फुंडहर चौक पर विकसित अटल परिसर और कोर्ट परिसर के पास बनाए गए वनभैंसा के साथ ही आईएसबीटी, मोवा ब्रिज और विधानसभा ब्रिज के नीचे बनाए गए बॉक्स क्रिकेट पिच का लोकार्पण किया। श्री साय ने पंडरी बस स्टैंड के पीछे 14 करोड़ 71 लाख रुपए तथा नरैया तालाब के पास 14 करोड़ 66 लाख रुपए के कामकाजी महिला छात्रावास का भूमिपूजन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत तेलीबांधा चौक के पास 39 करोड़ 31 लाख रुपए के टेक्नीकल टॉवर और खम्हारडीह में 20 करोड़ 93 लाख रुपए के 2500 किलोलीटर क्षमता के नवीन जलागार का भी भूमिपूजन किया। श्री साय ने दलदल सिवनी अम्युजमेंट पार्क के पास 11 करोड़ 42 लाख रुपए के नालंदा परिसर, पचपेड़ी नाका से सीएसईबी चौक तक 13 करोड़ 39 लाख रुपए के गौरवपथ तथा 11 करोड़ 17 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो एवं दो करोड़ 79 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो के लिए इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन का भूमिपूजन किया। उन्होंने लाभांडी और फुंडहर में 35 करोड़ 73 लाख रुपए के राइजिंग एवं डिस्ट्रीब्युशन पाइपलाइन, विधायक कॉलोनी से अविनाश वन होते हुए एनएच-53 तक एक करोड़ 94 लाख रुपए के नाला पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना में तीन करोड़ 23 लाख रुपए के सीसी रोड एवं नाली निर्माण तथा श्रीराम मंदिर के पास एक करोड़ 98 लाख रुपए के आरसीसी कवर्ड नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने रायपुर-ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-उत्तर विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में दो करोड़ 99 लाख रुपए के दतरेंगा मोड़ से चन्द्रा टाउन, महादेव घाट रोड तक सड़क सुदृढ़ीकरण, दो करोड़ 52 लाख रुपए से शहर के विभिन्न स्थानों में सड़क मरम्मत एवं बीटी टॉपिंग कार्य तथा दो करोड़ 71 लाख रुपए से शहर के विभिन्न मार्गों में बीटी टॉपिंग एवं पैच रिपेयर कार्य का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पांच हितग्राहियों श्रीमती कांती ढीढ़ी, सर्वश्री अजय शर्मा, योगेश साहू, पवन साहू और काशीराम वर्मा को भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र वितरित किए। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के पांच हितग्राहियों श्रीमती उमा जोशी, श्रीमती फूलबाई गिरी, श्रीमती निशा द्विवेदी, श्रीमती रामप्यारी और श्रीमती भगवती यादव को 50-50 हजार रुपए का चेक प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री साय ने कहा कि अटलजी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहा। लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण, सुशासन की स्थापना और जनकल्याण के व्यापक दृष्टिकोण के कारण वे देशवासियों के हृदय में सदैव अमर रहेंगे। वे केवल महान राजनेता ही नहीं, बल्कि संवेदनशील कवि, दूरदर्शी राजनेता और करुणा से भरे जननायक थे, जिन्होंने राजनीति को जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अटलजी के नेतृत्व में देश ने विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई दिशा प्राप्त की। उनका समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने का संकल्प आज भी हमारी शासन-नीति का केंद्रीय आधार है। यही भावना छत्तीसगढ़ सरकार के प्रत्येक कार्यक्रम, योजना और निर्णय का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुशासन को सशक्त बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार, पारदर्शी व्यवस्था, समयबद्ध सेवाओं की आपूर्ति और जनविश्वास की पुनर्स्थापना के प्रयास लगातार जारी हैं।

खिलाड़ियों के सपनों को पंख देने के लिए सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री श्री साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। सांसद खेल महोत्सव, फिट युवा, विकसित भारत का समापन समारोह आज पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में उत्साहपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय खेल एवं युवा कार्य मंत्री मनसुख मांडविया तथा देशभर के सांसद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और समापन समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित किया। ऑडिटोरियम में उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री के प्रेरक उद्बोधन को ध्यानपूर्वक सुना। श्री साय ने अपने संबोधन की शुरूआत सुशासन दिवस की शुभकामनाओं के साथ करते हुए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव- 'फिट युवा, विकसित भारत' जैसे आयोजन युवा पीढ़ी में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव लगभग चार महीनों तक रायपुर संसदीय क्षेत्र के 36 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने इस व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल को विशेष बधाई दी। श्री साय ने कहा कि खेलों में केवल पहला, दूसरा या तीसरा स्थान ही सबकुछ नहीं होता, बल्कि अनुशासन, टीम-स्पिरिट, समर्पण और सतत अभ्यास के गुण ही किसी को महान

खिलाड़ी बनाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महोत्सव से अनेक खिलाड़ी उभरकर सामने आएंगे, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों के सपनों को पंख देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल अलंकरण समारोह पुनः प्रारंभ किया गया है। ओलंपिक में प्रदेश के खिलाड़ी के चयन पर 21 लाख रुपये तथा स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 3 करोड़, 2 करोड़ और 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में ह्याखेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिली है, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। रायपुर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है और जनवरी माह में यहां पुनः बड़े मैचों का आयोजन किया जाएगा। खेलो इंडिया के कार्यालय विभिन्न स्थानों पर स्थापित कर नई खेल प्रतिभाओं को तराशने का कार्य किया जा रहा है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव. ह्याफिट युवा, विकसित भारत का शुभारंभ 29 अगस्त को हुआ था और यह आयोजन रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 36 स्थानों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही नहीं, बल्कि खेल-कूद भी जीवन में समान रूप से महत्वपूर्ण है और इसी के माध्यम से बच्चे देश-प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस महोत्सव में 542 गांवों से सहभागिता रही और 85 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जो पूरे देश में रिकॉर्ड भागीदारी है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में पारंपरिक एवं आधुनिक खेलों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। गेड़ी प्रतियोगिता में 70 वर्ष की महिलाओं की सहभागिता, कबड्डी, फुगड़ी, वॉलीबॉल जैसे खेलों में उत्साहपूर्ण प्रदर्शन और ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों द्वारा रस्साकशी में भागीदारी। सभी ने सामाजिक समरसता और समावेशन का सशक्त संदेश दिया। स्कूल छोड़ चुके युवाओं को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला तथा अनुभवी खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में लगभग 1,500 खेल अधिकारियों, विद्यालयीन शिक्षकों और सेवानिवृत्त खेल अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विश्वविद्यालय परिसरों में भी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों तथा आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले समय में सांसद खेल महोत्सव को और अधिक सुव्यवस्थित, व्यापक और प्रभावी रूप दिया जाएगा। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। समूह खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 11,000 रुपये, द्वितीय स्थान को 5,000 रुपये तथा एकल खेलों में प्रथम स्थान पर 3,100 रुपये और द्वितीय स्थान पर 1,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि के साथ पदक, प्रशस्ति-पत्र एवं टी-शर्ट प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, विधायक किरण सिंह देव, ज़िला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, नान अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिस्वरंजन सहित जनप्रतिनिधि, खेल विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं नागरिक उपस्थित थे।

चिरायु योजना के तहत 4 बच्चों को बेहतर ईलाज हेतु भेजा गया रायपुर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.के.डी. पैकरा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप नामदेव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से कई बच्चे लाभांवित हुए हैं।

इसी क्रम में इस योजना अंतर्गत शुक्रवार को सूरजपुर से कैटेगेरी-ए कॉर्डिकल हॉर्ड डिसीस के 04 बच्चों को शासकीय वाहन से उचित ईलाज हेतु रायपुर भेजा गया।

निरंतर आर.बी.एस. के. टीम प्रतिदिन के कत्तर्व्य को पूरा करने के लिए आंगनबाड़ी एवं स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उच्च स्वास्थ्य संस्थाओं में इन बच्चों का ईलाज मुहईया कराती है।

जिले में चिरायु योजना अंतर्गत 14 हृदय रोग, 1072 बच्चों के त्वचा संबंधी रोग, 228 बच्चों के कान संक्रमण, 708 बच्चों के दंत रोग, 413 बच्चों के दृष्टि दोष, 117 बच्चों की रक्त अल्पता तथा 441 अति कुपोषित बच्चों का निशुल्क इलाज किया गया। जिसमें बच्चों के परिजनों में प्रसन्नता है।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में मिले 135 आवेदन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को जिले के प्रेमनगर जनपद अंतर्गत ग्राम उमेश्वरपुर में विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में कलेक्टर एस जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले द्वारा लोगों से संवाद कर उनके समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया। शिविर में जिलाधिकारियों द्वारा अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इस दौरान शिकायतों एवं समस्याओं को लेकर 135 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 129 मांग व 06 शिकायत थी। वहीं मौके पर 28 आवेदनों का समाधान कारक निराकरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने सभी लोगों से शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आग्रह किया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच सहित जिले के समस्त अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए विधायक श्री मरावी ने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर यह शिविर आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याएं जानने और उनके निराकरण के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था को बेहतर करने के लिए कई सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गई है। जिससे यहां जल्द ही सड़क की समस्या का निराकरण कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरहों की शिविरों में आप आकर ज्यादा से ज्यादा इसका लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि तीर्थ दर्शन

मौके पर 28 का किया गया निराकरण

योजना अंतर्गत रामलला के दर्शन आगामी 14 जनवरी को ट्रेन सूरजपुर से रवाना होगी जिसके लिए हितग्राही जनपद कार्यालय में पंजीयन करवा सकते हैं। आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि आज आपके गांव में शासन एवं प्रशासन तंत्र आपके समस्याओं के निराकरण के लिए उपस्थित हुआ है। शासन एवं प्रशासन लगातार प्रयास कर रही है कि वह आप लोगों के घर तक पहुंच कर आपकी सभी समस्याओं का समाधान कर सके। उन्होंने सभी ग्राम वासियों से अपील करते हुए अपने समस्याओं को उपस्थित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के समक्ष रखने को कहा। उन्होंने शिविर में आए लोगों से कहा कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता से देखते हुए उनके त्वरित निराकरण करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी हितग्राहियों से अपनी शिकायत या किसी योजना का लाभ नहीं मिलने की स्थिति को लेकर अपना पंजीयन करने के लिए कहा। स्वास्थ्य सुविधा को देखते हुए कलेक्टर श्री जयवर्धन ने सभी को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवाकर शासन के स्वास्थ्य योजना का लाभ लेने के लिए कहा। इसके अलावा उन्होंने टीबी, सिकल सेल और कुष्ठ जैसे बीमारियों के संबंध में जागरूक करते हुए सभी को अपनी जांच और इलाज निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में कराने को कहा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आप सभी ज्यादा से ज्यादा शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। आपको जिस भी योजना के बारे में जानकारी लेनी है और योजना का लाभ लेना है या शिकायत करनी है उस संबंध में अपने अधिकारी को अवगत कराएं। उन्होंने केसीसी, पीएम किसान योजना एवं सॉइल हेल्थ कार्ड के संबंध में जागरूक करते हुए सभी को इस योजना का लाभ लेने को प्रोत्साहित किया। इसके अलावा कलेक्टर ने बाल विवाह की समस्या की ओर इंगित करते हुए ज्यादा से जागरूकता अभियान चलाने के लिए कहा।

डीएफओ श्री डी एल साहू ने भी वन विभाग के योजनाओं के लाभ प्राप्त करने के लिए कहा साथ ही उन्होंने हाथी विचरण क्षेत्रों में लोगों को सचेत रहने और हाथियों से दूर रहने के लिए कहा। पुलिस विभाग द्वारा साइबर फ्रॉड के संबंध में जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक करने का कार्य किया। साथ लोगों को हमेशा सचेत रहने को कहा। इसके अलावा उन्होंने सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने, चार पहिया चालकों को सीट बेल्ट लगाने के लिए कहा ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इस दौरान जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही इस अवसर पर अन्नप्राशन, गोदभराई संस्कार कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्रियों का वितरण किया गया।

मछली पालन विभाग से जाल वितरण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा वय वंदन कार्ड एवं कृषि विभाग द्वारा सरसों बीज का वितरण किया गया।

जनगणना 2027 हेतु प्रशिक्षित किये गए जिले के अधिकारी कर्मचारी

जनगणना नोडल अधिकारी ने दी तकनीकी जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय छत्तीसगढ़ के निर्देश के अनुपालन में 2027 जनगणना हेतु ग्रामों एवं नगरों के सीमाओं की सटीकता को सुनिश्चित करने एवं कार्यो के सुचारू संपादन हेतु आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए शुक्रवार को यहां कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नसीब अहमद खान नोडल अधिकारी द्वारा गूगल अर्थ प्रो पर एक दिवसीय प्रशिक्षण रखा गया था।

भारत की जनगणना 2027 दो चरणों में पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से करायी जानी है। जिसके मद्देनजर जिले में इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। जनगणना कार्य के प्रथम चरण के अंतर्गत नगरों एवं ग्रामों की भौगोलिक सीमा एवं स्थिति को सटीक रूप से भू-संदर्भित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी बसाहट का क्षेत्र छूटे नहीं और न ही किसी क्षेत्र का दूसरे क्षेत्र से अधिव्यापन हो। संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तर पर निदेशालय के जिला नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में गूगल अर्थ प्रो के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना नोडल अधिकारी, द्वारा कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य हेतु उपयोग में लाए जाने वाले चार्ज मानचित्र में ग्रामों एवं नगरों की सीमा एवं स्थिति की पूर्ण सटीकता सुनिश्चित करना संबंधित चार्ज अधिकारी की जिम्मेदारी है। इसी कारण चार्ज मानचित्र का प्रमाणन एवं सत्यापन चार्ज अधिकारी द्वारा किया जाना अनिवार्य है। नोडल ने प्रशिक्षण के दौरान जिले की सभी तहसीलों से उपस्थित तहसीलदारों, नगरी निकाय के सीएमओ , जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं उनके सहयोगी कर्मचारियों को गुगल अर्थ पीआरओ के माध्यम से ग्रामों की भौगोलिक सीमा एवं लोकेशन को सटीक रूप से अंकित करने की प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तय समय सीमा के भीतर सभी ग्रामों की भौगोलिक सीमा एवं स्थिति का कार्य पूर्ण कर उन्हें भू-संदर्भित किया जाये, जिससे जनगणना 2027 का कार्य बिना किसी त्रुटि के सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया गया, ताकि आगामी जनगणना में डिजिटल मानचित्रण की प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वित की जा सके।

डीफ खातों के निराकरण हेतु शिविर आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन में इनऑपरेटिव एवं डीफ अकाउंट में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए विकासखंडवार शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में रामचंद्रपुर एवं वाड्रफनगर में शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला कोषालय अधिकारी श्री डी. पी. सोनी एवं अग्रणी बैंक अधिकारी श्री अंकित शर्मा की उपस्थिति में खातों में आ रही समस्याओं का समाधान किया गया।

धान खरीदी केंद्र में पेयजल के लिए भटक रहे किसान व मजदूर, शासन कर रहा सुविधाओं का दावा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दुर पहाड़ी अंचल एवं सीमा के चांदनीङ्कबिहारपुर क्षेत्र में स्थित धान खरीदी केंद्र नवगई एवं मोहरसोप इन दिनों अव्यवस्थाओं का शिकार बने हुए हैं। शासन द्वारा धान खरीदी को सुचारु एवं किसान-हितैषी बनाने के बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। इन दोनों समिति परिसरों में पीने के पानी जैसी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है, जिससे दूर-दराज़ से आने वाले सैकड़ों किसान एवं मजदूर भारी परेशानियों का सामना करने को मजबूर हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान अपने ट्रैक्टर, पिकप एवं गाड़ी व अन्य साधनों से धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंच रहे हैं। धान तौल, पर्ची कटाने और बोरियों की लोडिंग-अनलोडिंग में अधीक किसान होने सुबह से शाम समय लग रहा है। इस दौरान पानी की व्यवस्था न होने से किसान और मजदूरों को कई सौ मीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता है। इससे न केवल समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। किसानों का कहना है कि

शासन-प्रशासन द्वारा पहले ही स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा पेयजल, छांव, बैठने की व्यवस्था जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके बावजूद नवगई और मोहरसोप समिति परिसरों में पानी का संकट बना हुआ है, जो प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। मजदूर वर्ग की स्थिति और भी दयनीय है। लगातार शारीरिक श्रम करने के बावजूद उन्हें समय पर पानी न मिलने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। कई मजदूरों ने बताया कि पानी के अभाव में उन्हें काम बीच में छोड़कर बाहर जाना पड़ता है, जिससे धान खरीदी की गति धीमी हो रही है। इस समस्या को लेकर किसान एवं मजदूरों ने तत्काल बोरिंग कराकर सोलर डबल पंप लगाने की मांग की है, ताकि खरीदी अवधि के दौरान स्थायी रूप से जलापूर्ति हो सके। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन जैसी स्थिति भी बन सकती है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वह मौके का निरीक्षण कर तत्काल पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित हो सके और किसानों को राहत मिल सके।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202512031100014

विषयः— अ—2
मामले की श्रेणीः— राजस्व
सन् :— 2025—2026

कोतबा पह.न. 00016 [1105/3/(0.0200 हे0) पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार उमेश कुमार पिता बलराम पैंकरा, अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम कोतबा प.ह.न. 16, तहसील पत्थलगांव, जिला जशंपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक उमेश कुमार पिता बलराम पैंकरा जाति कंवर, निवासी ग्राम पंडरीपानी, तहसील पत्थलगांव, जिला—जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम कोतबा प. ह. नं. 16 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 1105/3/ख रकबा 0.020 हे0 (202.60 वर्गमीटर) भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी—1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 31.12.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति की दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले—आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 31/12/2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेशानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/12/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला

विषयः— अ—2
मामले की श्रेणीः— राजस्व
सन् :— 2025—2026

पालीडीह प.ह.न. 00009 [201/10(0.0400 हे) पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार श्रीमती हीरावती पैंकरा पति बलराम पैकरा, अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पालीडीह प.ह.न. 09, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति हीरावती पैकरा पति बलराम पैकरा जाति कंवर, निवासी ग्राम पंडरीपानी तहसील पत्थलगांव, जिला— जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पालीडीह प. ह. नं. 09 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 201/10 रकबा 0.040 हे0 (405.20 वर्गमीटर) भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी—1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 31/12/2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यांवालगीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले—आउट नगर निवेश जशपुर में अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 31/12/2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेशानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/12/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

पॉलिटेक्निक के बच्चो ने किया कुक्कुट पालन क्षेत्र का भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। सूरजपुर वेटनरी पॉलिटेक्निक में अध्यनरत विद्यार्थियों को ग्राम राई में पेंगुइन ग्रुप द्वारा संचालित निजी कुक्कुट पालन क्षेत्र का प्रायोगिक भ्रमण कराया गया। जिसमें कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र के सह संचालक रजत जायसवाल के द्वारा कुक्कुट पालन के लेयर फार्मिंग आवास प्रणाली केज सिस्टम के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दिया गया। इसके साथ ही मुर्गियों को स्वचलित फीडिंग पाइप और मोटराइज्ड सिस्टम के द्वारा मुर्गियों तक दाना कैसे पहुंचता है और निप्पल के माध्यम से मुर्गियों को ताजा और साफ पानी देने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त बायो स्कियोरिटी पोटैशियम परमैंगनेट के उपयोग और नियम के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर सिलफिली में हुआ भव्य हिंदू महासंगम

एक साथ खड़े हुए 15 गांव गूंजा हिंदू एकता का उद्घोष

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। हिंदू जन जागरण समिति मंडल सिलफिली के तत्वावधान में हाई स्कूल मैदान सिलफिली में भव्य हिंदू महासंगम का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में श्रद्धा, उल्लास एवं गरिमामय वातावरण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मंडल अंतर्गत आने वाले 16 गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी नागरिक इस महासंगम में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर उत्साह, अनुशासन और सनातन चेतना का स्पष्ट संदेश दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत बायेरकर्मा एवं सुवा लोकनृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया और आयोजन की शोभा को और अधिक बढ़ाया। लोकनृत्य में भाग लेने वाली टीमों एवं गीत प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुशवाहा समाज के द्वारिका प्रसाद कुशवाहा ने की। मंचस्थ अतिथियों में श्रीमती उषा सरकार, कथावाचक कृष्णचंद्र तिवारी तथा मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला कार्यवाह विजय शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही सभी समाजों के प्रमुख पुजारी एवं बैगा भी महासंगम में सम्मिलित हुए, जिनका स्वागत

अतिथियों द्वारा शाल एवं श्रीफल से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन के साथ किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम में ओमप्रकाश राजवाड़े द्वारा प्रस्तुत एकल गीत के माध्यम से सामाजिक समरसता एवं एकता का भाव प्रभावशाली रूप से व्यक्त किया गया।मुख्य वक्ता विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में हिंदू समाज को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चलाए जा रहे पंच परिवर्तन विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक समरसता, ऊँच-नीच एवं छुआछूत के उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक के धीरे-धीरे बहिष्कार, कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से संस्कारयुक्त एवं संयुक्त परिवार की भावना, स्वदेशी वस्तुओं के अधिकाधिक उपयोग तथा नागरिक कर्तव्यों के बोध पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज, जिसे सनातन समाज कहा जाता है, 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना के साथ पूरे विश्व को परिवार मानता है। इसी उद्देश्य से देशभर में मंडल एवं बस्ती स्तर पर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। कथावाचक पं. कृष्णचंद्र तिवारी जी ने अपने संबोधन में हिंदू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा का आह्वान करते हुए कहा कि यदि धर्म सुरक्षित नहीं रहेगा तो भौतिक संसाधनों का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। उन्होंने सनातन परंपराओं को जीवन में अपनाने, प्रतिदिन तिलक धारण करने तथा धर्म संरक्षण हेतु समाज को जागरूक रहने का आग्रह किया।

इस अवसर पर धर्म जागरण के प्रांत प्रशासनिक प्रमुख ठाकुर रजवाड़े की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मंच संचालन योगेंद्र राजवाड़े एवं तिलेश्वर सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस महासंगम को सफल बनाने में सभी ग्रामों के समाज प्रमुखों एवं अनेक कार्यकर्ता बंधुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय वीर बाल दिवस पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय बरियों में कार्यक्रम आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बरियों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीर बाल दिवस पर प्रकाश डाला गया। साथ ही भाषण, कविता, निबंध विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दिखाई।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम आर यादव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें नन्हे साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने

बहुत कम उम्र में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया ।उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि इसी प्रकार विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान आने वाली कठिनाइयों और परेशानियों को दरकिनार कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर परिश्रम करना चाहिए, तभी भविष्य में सफलता सुनिश्चित हो सकेगी।

कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजपुर श्री अरविन्द गुप्ता, प्राचार्य श्रीमती प्रीती श्रीवास्तव, संकुल के प्रधान पाठक, शिक्षक शिक्षिकाएं एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

डॉक्टर के बेटे की हैदराबाद में हुए हादसे में मौत, स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल

सबसे छोटे पुत्र की मौत से सदमे में पूरा परिवार, चिकित्सक ने डिगमा स्थित स्वयं की भूमि में कराया अंतिम संस्कार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. के.आर. टेकाम के पुत्र अंकित सिंह टेकाम 20 वर्ष की हैदराबाद में हुए दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार को ग्राम डिगमा में स्थित स्वयं की भूमि में उसका अंतिम संस्कार गमगीन माहौल में हुआ। मुखाग्नि चचेरे भाई कौशल टेकाम ने दी। घटना से पूरा परिवार सदमे में है। छोटे भाई की मौत से बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के मुताबिक अंकित सिंह टेकाम हैदराबाद के गीताम यूनिवर्सिटी में रहकर बी.कॉम. तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था, बहन तृप्ति सिंह भी बैंगलोर में ही पायॅलट का कोर्स कर रही है। सोमवार की शाम को पुत्र के एक्सीडेंट की खबर डॉ. टेकाम को मिली और वे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में पदस्थ अपनी बड़ी पुत्री के साथ फ्लाइट से बैंगलोर जाने के निकले। अन्य स्वजन सड़क मार्ग से बैंगलोर के लिए रवाना हुए थे। डॉ. टेकाम जब बैंगलोर पहुंचे तो उनके पुत्र का इलाज चल रहा था, लेकिन स्थिति गंभीर थी। हादसे के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण युवक को 20 यूनिट ब्लड चढ़ाया गया

था। बताया जा रहा है कि अंकित अपने किसी दोस्त के साथ स्पोर्ट बाइक में जा रहा था, ब्रेक मारने से पीछे बैठा अंकित बाइक से उछलकर सड़क पर गिर गया। बाइक चला रहे साथी युवक को भी चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्पोर्ट्स बाइक कुछ दूर तक घिसटते चली गई। हादसे में अंकित को गंभीर चोटें आई थी। क्षेत्रीय अस्पताल में ऑपरेशन का प्रयास चिकित्सक कर रहे थे, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को सड़क मार्ग से बेटे का शव लेकर पिता सहित अन्य स्वजन अंबिकापुर पहुंचे, इसके बाद इलाके में शोक का माहौल बन गया। घटना से चिकित्सक परिवार व मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शोक का माहौल है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को, मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या, सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, सहित अन्य चिकित्सक, स्टाफ व कई निजी अस्पतालों के चिकित्सक, गणमान्य नागरिक डॉ. टेकाम के नवापारा स्थित निवास पहुंचे, और ढाढस बंधाया। दो बहनों के बीच सबसे छोटे पुत्र की मौत से दुखी डॉ. के.आर. टेकाम ने अपने पुत्र का अंतिम संस्कार ग्राम डिगमा में स्थित स्वयं की भूमि पर करने का निर्णय यह कहते हुए लिया, कि बेटा मेरे पास ही रहेगा। अंतिम यात्रा में काफी संख्या में लोग शामिल हुए।

आबकारी की टीम को देखकर ऑटा लेकर भागा चालक

घेराबंदी करके तलाशी लेने पर सीट के नीचे मिला 42 नग नशीला इंजेक्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डिगमा निवासी एक व्यक्ति को आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने 42 नग नशीले इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार करके जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम 26 दिसम्बर को डिगमा क्षेत्र में गस्त पर निकली थी, इस दौरान एक संदिग्ध ऑटो चालक को टीम ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह तेजी से भागने लगा और डिगमा स्टेडियम में घुस गया। टीम ने उसे घेराबंदी करके रोका। ऑटो चालक ने पूछताछ में अपना नाम राजभान

सिंह बताया। ऑटो का तलाशी लेने पर पिछली सीट के नीचे सफेद रंग के प्लास्टिक झोले में 21-21 नग इंजेक्शन अलग-अलग नाम का मिला। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय अंबिकापुर में रिमांड के लिए पेश किया गया, जहां से उसे जेल दाखिल का आदेश प्राप्त हुआ। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि आरोपी मध्य प्रदेश का रहने वाला है उसका घर जयसिंहनगर जिला शहडोल में है। वह अंबिकापुर में डिगमा में किराए के मकान में रहकर ऑटो चलाता है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के साथ मुख्य आरक्षक कुमारु राम, रमेश दुबे, नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह, महिला सैनिक राजकुमारी सिंह एवं अंजू एक्का सक्रिय रहे।

आंगन में फिसलकर जख्मी हुए युवक को तीन दिन बाद ले गए डॉक्टर के पास, इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घर के आंगन में फिसलकर गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक वीरेन्द्र कुमार नगेसिया पिता परसन राम 35 वर्ष मूलत: उदयपुर थाना क्षेत्र के माझापारा का रहनेवाला था। वर्ष 2014 में सुशीला बेक 33 वर्ष से प्रेम विवाह करने के बाद दोनों अंबिकापुर के गंगापुर में रहते थे। दोनों के दांपत्य जीवन के बीच एक लड़का और एक लड़की है। बीते 19 दिसम्बर को सुबह करीब 10.30 बजे घर से बाथरूम की ओर जाते समय वीरेन्द्र का घर के आंगन में जमे काई में पैर फिसला और वह गिर गया, जिसमें उसे कंधा, घुटना और सिर में अंदरूनी चोटें आई थी। आवाज सुनकर पत्नि पहुंची और अपने पति को उठाई। बाहरी चोट दिखाई नहीं देने के कारण वे इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले गए। तीन दिन बाद भी दर्द में आराम नहीं मिलने पर 22 दिसम्बर को स्वजन उसे डॉ. जगदीश भुटानी के क्लिनिक में ले गए। डॉक्टर ने इलाज के बाद दवा लिखकर दिया और वे दवा लेकर घर आ गए। 23 दिसम्बर की शाम को असहनीय दर्द होने के कारण वीरेन्द्र छटपटाने लगा, उसके बाएं घुटना के पास सूजन आ गया था। 24 दिसम्बर को तकलीफ ज्यादा बढ़ते देखकर स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां इसी दिन शाम को 5.39 बजे डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। किसी प्रकार के शंका-संदेह की स्थिति न बने, इसलिए अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। मामले में पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम किया है।

शहर के रिंग रोड में ट्रक से हुई टक्कर में बाइक सवार दोस्तों की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के रिंग रोड में गुरुवार की रात तेज रफ्तार बाइक खड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में बाइक पर सवार 2 युवकों को गंभीर चोटें आई थी, दुर्घटना के बाद दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया, आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद युवकों के शव को स्वजन को सौंप दिया गया है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर थाना अंतर्गत महुआपारा निवासी बृजेश कुमार लकड़ा पिता बिरेंद्र लकड़ा 25 वर्ष बाइक पर सवार होकर अपने दोस्त शांतिपारा फुंदुरडिहारी निवासी मेल प्रकाश तिर्की 26 वर्ष के साथ गुरुवार की रात करीब 8 बजे अंतर्राज्यीय बस अड्डा की ओर जा रहा था। रिंग रोड नमनाकला के गुडलक मोटर्स के पास खड़ी ट्रक में दोनों पीछे से घुस गए। घटना में दोनों के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोटें आईं थी। आस-पास मौजूद लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। एक की मौके पर तो दूसरे की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। चिकित्सक ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया था, इसके बाद पुलिस ने इनके शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मर्च्युरी में रखवाया था। घटना की सूचना पर स्वजन अस्पताल पहुंचे, जिससे माहौल गमगीन हो गया। शुक्रवार को दोनों युवकों के शव का पोस्टमार्टम हुआ। पुलिस ने दोनों युवकों का शव स्वजनों को सौंप दिया है। हादसे में दो दोस्तों की मौत से स्वजन व इनके मित्रों में शोका का माहौल है। शुक्रवार को दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

ट्रक की ठोकर से घायल बाइक सवार दम तोड़ा

एक अन्य घटना में क्रिसमस मनाने अंबिकापुर से गृहग्राम सन्ना जा रहे युवक को ट्रक का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पीछे से ठोकर मार दिया। हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के सन्ना थाना अंतर्गत ग्राम डकई निवासी सुदीप टोप्पो पिता विकास टोप्पो 28 वर्ष, गोधनपुर में वाटर पार्क के पास रहकर दुकान में काम करता था। 24 दिसम्बर को वह मोटरसायकल से क्रिसमस मनाने के लिए अपने घर ग्राम डकई जाने निकला था। रास्ते में बलरामपुर जिला के दुर्गापुर के पास पीछे से आ रही ट्रक के चालक ने उसे जोरदार ठोकर मारा, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी, और घायल युवक को शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। युवक की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया था, इलाज के दौरान गुरूवार की शाम को वह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी जेआर प्रधान, सभी सीडीपीओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्टर ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की तथा प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का शत प्रतिशत हितग्राहियों को लाभ मिलना सुनिश्चित करें।

उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए और कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र निर्धारित समय पर संचालित हो। पोषण ट्रैकर एप में बच्चों की एंट्री सुनिश्चित करें, गंभीर कुपोषण वाले बच्चों का चिन्हांकन करके उनके पौष्टिक आहार पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने जिले में 0 से 6 वर्ष के बच्चों के आधार कार्ड निर्माण की जानकारी ली तथा कहा कि जिन बच्चों का आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में नहीं बन पाया है उनकी सूची तैयार कर आवश्यक कार्रवाई करें।

एनआरसी में शत-प्रतिशत उपस्थिति पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर ने गंभीर कुपोषित बच्चों की त्वरित पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में सतत रूप से भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कुपोषण की पहचान मुख्यत: आंगनबाड़ी केंद्रों में की जाती है, इसलिए गम्भीरता से जांच सुनिश्चित करें। पालकों को कुपोषित बच्चों को शासन की इस सुविधा का लाभ लेकर कुपोषण मुक्त करने प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिले में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें।

भर्ती प्रक्रिया में रहे पारदर्शिता, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बैठक में कलेक्टरने कहा कि विभाग अंतर्गत रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता रहे। नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया समय अवधि में पूर्ण हो, किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबन्धितों पर कार्रवाई होगी।

विद्युतीकरण के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की स्थिति की जानकारी ली और कहा कि जिन केंद्रों हेतु भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, वहां तत्काल आंगनबाड़ी शिफ्ट कर संचालित करें। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र जहां आंतरिक एवं बाह्य विद्युतीकरण नहीं हुए हैं, उनकी सूची तैयार करें। पहले चरण में 200 आंगनबाड़ी केंद्रों का चयन कर विद्युतीकरण करने की कार्रवाई की जाएगी, इस हेतु प्राक्कलन तैयार कर उपलब्ध कराएं।

शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे

उन्होंने सभी सीडीपीओ को सुपरवाइजर के साथ बैठक कर मातृ वंदना योजना में अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने निर्देशित किया तथा 15 दिवस के भीतर निर्धारित लक्ष्य पर प्रगति सुनिश्चित करने कहा। महतारी वंदन योजना अंतर्गत हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण करवाने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र महिला और बच्चे तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसलिए गम्भीरतापूर्वक, संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। बैठक में एजेण्डा अनुसार विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

रास्ता रोककर कार सवारों से मारपीट, तोड़फोड़, गले से सोने का चैन खींचा

घटना की सूचना मिलने पर अन्य वाहनों में आ रहे लोगों से भी मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट, महिला सदस्यों के साथ छेड़छाड़ और सोने का चेन खींचकर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना बलरामपुर जिला के सनावल थाना अंतर्गत ग्राम मदरूटोला की है। जानकारी के मुताबिक 23 दिसम्बर को एक परिवार की आधा दर्जन से अधिक सदस्य ग्राम त्रिशुली छठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चारपहिया वाहन से जा रहे थे। वाहन में तीन महिला सदस्य भी सवार थे। ग्राम मदरूटोला के पास कृष्णा यादव, रवि यादव, पवन यादव, दिनेश यादव एक मोटरसायकल में सवार होकर आए और इनका रास्ता रोकने का प्रयास किए। जब वे गाड़ी नहीं रोके तो पीछा करते हुए कुछ दूर तक आए और गाड़ी को रोकवाकर वाहन चालक से गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। मना करने पर जान से मारने की धमकी देकर एक महिला के गले से सोने के चैन खींच लिए, और वाहन में सवार एक लड़की से छेड़खानी करने लगे। इसकी जानकारी वाहन सवारों ने फोन लगाकर अन्य लोगों को दी। इसके बाद वाहन क्रमांक जेएच 01 ईजे 8492 में नीरज व उज्जवल घटनास्थल की ओर जा रहे थे। रास्ते में इन्हें भी बाइक सवारों ने रोका और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर कार में तोड़-फोड़ करने लगे, और कार का चाबी निकाल लिए। घटना के बारे में मोबाइल से अन्य लोगों को सूचना मिली तो वे मौके पर पहुंचे, इनके साथ भी आरोपियों ने जातिगत बातें कहते हुए लाठी-डंडा एवं पंच से मारपीट की घटना को कृष्णा यादव, रवि यादव, पवन यादव, दिनेश यादव के अलावा अन्य लोगों ने अंजाम दिया। ग्राम त्रिशुली के नीरज सिंह की रिपोर्ट पर थाना सनावल में पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 126(2), 296, 304(2), 324(5), 351(2), 75 का मामला दर्ज कर लिया है, और वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

सरस्वती शिशु मंदिर बड़सरा में सप्त शक्ति संगम, मातृ सम्मेलन का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। सरस्वती शिशु मंदिर बड़सरा में बुधवार को सप्त शक्ति संगम, मातृ सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति को जागरूक करना, सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्यों का प्रबोधन करना तथा राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को रेखांकित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व जनपद सदस्य सुरुचि साहू, बबीता पैकरा, सविता साहू एवं गुलाब कुंवर द्वारा दीप प्रज्वलन, दीप वंदना एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का परिचय कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय समिति के संयोजक रामू गोस्वामी, सरपंच जगनारायण सिंह, रमेश यादव, रामप्रताप साहू, राम साहू, टाकेन्द्र पांडे, श्यामलाल सिंह, हरिवंश, रामवतार यादव सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं अभिभावकों का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य रामलाल यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुटुम्ब प्रबोधन विषय पर बबीता पैकरा ने विस्तृत जानकारी दी। पर्यावरण संरक्षण पर प्रज्ञा जायसवाल ने सारगर्भित विचार व्यक्त किए। भारत के विकास में महिलाओं का योगदान विषय पर सविता साहू ने प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। मातृ सम्मेलन के दौरान महिलाओं के लिए प्रश्नोत्तरी, कुर्सी दौड़ एवं साड़ी मोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य रामलाल यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

कलेक्टर औचक पहुंचे धान उपार्जन केन्द्रों में, किसानों से किया संवाद

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को अंबिकापुर के धान उपार्जन केंद्र करजी, नमनाकला तथा बतौली के बोदा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खरीदी केंद्रों में किसानों से संवाद कर केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर जानकारी ली। उन्होंने रैंडम बोरियों में मॉइश्चर की जांच कराई और तौल करवाकर देखा। केंद्रों में बारदाना उपलब्धता, रकबा समर्पण, डीओ, टोकन व्यवस्था, उठाव सहित संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि धान बेचने आए नए किसान व ऐसे किसान जिनके रकबे में पिछले वर्ष के तुलना में वृद्धि हुई है, उसी रकबे में अधिक धान उत्पादन करने वाले किसानों की रिपोर्ट तैयार कर जानकारी दो दिनों में उपलब्ध कराएं। पात्र

किसानों का धान खरीदें, उन्हें किसी प्रकार की समस्या ना हो तथा अवैध धान पर कार्यवाही हो। उन्होंने रकबा समर्पण में तेजी लाने, बारदानों में अनिवार्य रूप से स्टैकिंग करवाने, धान को सुरक्षित रखने तारपोलिन की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया।

सीएचसी बतौली में स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली का निरीक्षण किया। उन्होंने जनरल वार्ड, पुरुष एवं महिला वार्ड, आपातकालीन कक्ष, ओपीडी, पैथोलॉजी लैब, एक्सरे कक्ष, प्रसव कक्ष में आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने समय पर दवाइयों की उपलब्धता, मरीजों हेतु भोजन की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किया। मेडिकल ऑफिसर से केंद्र में एचआरपी मरीजों की जानकारी ली और विशेष निगरानी रखने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से प्रसव के बाद मिलने वाली सहायता राशि समय पर देना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने मरीजों एवं उनके परिजनों से स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली और कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर चिकित्सा के साथ लोगों को स्वच्छ वातावरण भी मिले।

मानव जीवन ज्योति नेत्रहीन विद्यालय में बच्चों से मिले

कलेक्टर इस दौरान बतौली के कुनकुरी स्थित मानव जीवन ज्योति नेत्रहीन विद्यालय में बच्चों से मिले। उन्होंने आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बालक एवं बालिका छात्रावास, अध्ययन कक्ष सहित भोजन व्यवस्था, स्वच्छता का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित स्टाफ को निर्देशित किया कि बच्चों की आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि विद्यालय से निकलकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने एवं अच्छी उपलब्धि प्राप्त करने वाले पूर्व छात्रों को बुलाएं, ताकि यहां अन्य बच्चे भी प्रेरित हो सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर